■ कार्तिक शुक्ल - 5 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 101 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 06-11-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 झारखंड में भी माफिया के सफाए के लिए भाजपा को सत्ता में लाएं : योगी

6 भारत विरोधी खालिस्तानियों को ट्रूडो सरकार की शह

7 वाजपेयी का नजरिया अपनाया गया होता तो जमू-कश्मीर की यह हालत नहीं होती : उमर

फर्स्ट टेक

सलमान खान को धमकी, कर्नाटक में संदिग्ध पकड़ा गया

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को एक और धमकी मिली है तथा धमकी देने वाले ने उनसे पांच करोड़ रुपये की मांग की है। दावा है कि धमकी देने वाला व्यक्ति जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कर्नाटक के हुब्बली में एक संदिग्ध को पकड़ लिया गया हालांकि अब तक उसे गिरफ्तारी नहीं किया गया। वर्ली पुलिस ने पता लगाया कि संदेश हुब्बली से भेजा गया है। अधिकारी ने बताया कि एक टीम को दक्षिणी राज्य भेजा गया, जहां से पेशे से वेल्डर 35 वर्षीय व्यक्ति को पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि उस व्यक्ति पर धमकी भरा संदेश भेजने का संदेह है और पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। हालांकि उसे अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

योगी को सोशल मीडिया पर फिर मिली जान से मारने की धमकी

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके निर्वाचन क्षेत्र गोरखपुर के एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर कथित तौर पर जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि वॉयस ऑफ हिंदूज नामक संगठन ने इंस्टाग्राम पर धमकी भरा संदेश पोस्ट करने वाले व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, संगठन ने सोमवार शाम को संदेश का स्क्रीनशॉट भी गोरखपुर पुलिस के साथ साझा किया, जिसमें लिखा था, मैं योगी आदित्यनाथ को भी मार दूंगा। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी की पहचान गोरखपुर निवासी रियाजुल हक अंसारी के रूप में हुई है, जिसने इंस्टाग्राम पर सैफ अंसारी के नाम से यह पोस्ट किया था।

ओडिशा में चलती ट्रेन पर गोली बारी, कोई हताहत नहीं

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के भद्रक जिले में एक चलती ट्रेन पर कुछ अज्ञात लोगों ने कथित रूप से गोलीबारी की, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना के तुरंत बाद राजकीय रेल पुलिस ने मामले में जांच शुरू की। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भद्रक जिले के चरंपा स्टेशन के निकट नंदन कानन एक्सप्रेस पर हुई इस गोलीबारी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। रेलवे द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों ने नंदन कानन एक्सप्रेस को अपनी निगरानी में सुरक्षित पुरी तक पहुंचाया। साथ ही कहा कि मामले की जांच अब जीआरपी कर रही है।

कराची में पाकिस्तानी गार्ड ने दो चीनी नागरिकों को गोली मारी

कराची/भाषा। पाकिस्तान के बंदरगाह शहर कराची में झगड़े के बाद मंगलवार को एक स्थानीय सुरक्षा गार्ड ने दो चीनी नागरिकों पर गोली चला दी, जिससे वे घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना सिंध प्रांत में कराची के 'इंडस्ट्रियल ट्रेडिंग एस्टेट' क्षेत्र के एक पुलिस थाने में हुई। पुलिस उप महानिरीक्षक अजहर माहेसर ने कहा कि वह घटना की जांच कर रहे हैं ताकि पता लगाया जा सके कि सुरक्षा गार्ड ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर गोली क्यों चलाई। उन्होंने कहा, सुरक्षा गार्ड के साथ बहस के बाद हुई गोलीबारी में दो चीनी नागरिक घायल हो गए, जिसे अब गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों को अस्पताल ले जाया गया। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सूर्यास्त	सूर्योदय
06-11-2024 5:40 बजे	07-11-2024 6:04 बजे

BSE	NSE
79,476.63 (+694.39)	24,213.30 (+217.95)

सोना	चांदी
8,262 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	105,000 रु. प्रति किलो

शीर्ष अदालत ने उप्र मदरसा कानून की वैधता बरकरार रखी

धर्मनिरपेक्षता के आधार पर किसी कानून को रद्द नहीं किया जा सकता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ शीर्ष अदालत ने कहा कि 2004 कानून के तहत 'फाजिल' (स्नातक) और 'कामिल' (स्नातकोत्तर) की डिग्री समेत उच्च शिक्षा के नियमन के लिए कानूनी प्रावधान राज्य विधानमंडल के अधिकार क्षेत्र से परे है, क्योंकि यह प्रावधान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अधिनियम के प्रावधानों के विरोधाभासी है।

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश के मदरसों को बड़ी राहत देते हुए उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को मुस्लिम अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को नियंत्रित करने वाले 2004 के राज्य कानून की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा और कहा कि धर्मनिरपेक्षता के आधार पर किसी कानून को रद्द नहीं किया जा सकता।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को पलटने वाले इस महत्वपूर्ण निर्णय से राज्य कानून के तहत उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त 16,000 से ज्यादा मदरसों में पढ़ने वाले 17 लाख से अधिक छात्रों को लाभ होगा।

उच्च न्यायालय ने मदरसों को बंद करने को कहा था तथा राज्य सरकार को छात्रों को औपचारिक स्कूली शिक्षा प्रणाली में समायोजित करने का निर्देश दिया था।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि किसी कानून को दो आधारों पर असंवैधानिक घोषित किया जा सकता है – विधायी क्षमता के दायरे से बाहर होना या मौलिक अधिकारों या किसी अन्य संवैधानिक प्रावधान का उल्लंघन करना।

प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को खारिज कर दिया जिसमें 2004 के कानून को इस आधार पर रद्द कर दिया गया था कि यह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करता है।

पीठ ने कहा, मदरसा अधिनियम (उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004) राज्य विधानमंडल की विधायी क्षमता के अंतर्गत आता है और संविधान की सूची तृतीय की प्रविष्टि 25 से इसका संबंध है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि 2004 कानून के तहत 'फाजिल' (स्नातक) और 'कामिल' (स्नातकोत्तर) की डिग्री समेत उच्च शिक्षा के नियमन के लिए कानूनी प्रावधान राज्य विधानमंडल के अधिकार क्षेत्र से परे है, क्योंकि यह प्रावधान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अधिनियम के प्रावधानों के विरोधाभासी है और इसलिए असंवैधानिक था।

पीठ ने कहा, यूजीसी अधिनियम उच्च शिक्षा के मानकों को नियंत्रित करता है और राज्य का कानून यूजीसी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए उच्च शिक्षा को नियमित करने का प्रयास नहीं कर सकता है।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि उच्च न्यायालय ने इस आधार पर पूरे मदरसा कानून को रद्द कर गलती की कि विधायी क्षमता के अभाव में ऐसी डिग्री प्रदान करना असंवैधानिक है।

'मंदिर हमला बताता है कनाडा में चरमपंथी ताकतों को राजनीतिक जगह मिल रही है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ विदेशमंत्री एस.जयशंकर ने कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू मंदिर पर हमले की घटना को ''बेहद चिंताजनक'' बताया

कैनबरा/भाषा। विदेशमंत्री एस.जयशंकर ने कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू मंदिर पर हमले की घटना को ''बेहद चिंताजनक'' बताते हुए मंगलवार को कहा कि यह कनाडा में ''चरमपंथी ताकतों'' को एक तरह से दी जा रही ''राजनीतिक जगह (गुंजाइश)'' की ओर इंगित करता है। उन्होंने यहां अपनी ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान रविवार को कनाडा पर ''बिना विस्तृत जानकारी दिए आरोप लगाने की प्रवृत्ति'' का भी आरोप लगाया।

भारत और कनाडा के बीच चल रहे कूटनीतिक विवाद के बीच जयशंकर रविवार को उत्तर अमेरिकी देश के ब्रैम्पटन में हुई घटना से संबंधित एक प्रश्न का जवाब दे रहे थे, जहां खालिस्तानी झंडे लिए प्रदर्शनकारियों ने हिंदू सभा मंदिर में लोगों के साथ झड़प की। इससे मंदिर के अधिकारियों और भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न हुई।

जयशंकर ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''कनाडा में हिंदू मंदिर में जो कुछ हुआ... वह निश्चित रूप से बेहद चिंताजनक है। आपने पहले हमारे आधिकारिक प्रवक्ता का बयान देखा होगा और फिर हमारे प्रधानमंत्री ने भी चिंता व्यक्त की होगी।''

विदेश मंत्री 3-7 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर हैं। पिछले साल सितंबर में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा खालिस्तान चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की ''संभावित'' संलिप्तता के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के संबंधों में तनाव पैदा हो गया था। हालांकि, भारत ने इस आरोप को '' बेबुनियाद'' बताकर खारिज कर दिया था। निज्जर कनाडा का नागरिक था लेकिन भारत ने उसे आतंकवादी घोषित किया था।

भारत का कहना है कि दोनों देशों के बीच मुख्य मुद्दा यह है कि कनाडा अपनी धरती से गतिविधियां चला रहे खालिस्तान समर्थक तत्वों को बिना किसी रोक-टोक के मौका दे रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे जो भी हों, हमारें रिश्ते आगे ही बढ़ेंगे : जयशंकर

कैनबरा/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत ने अमेरिका के पिछले पांच राष्ट्रपतियों के कार्यकाल के दौरान उसके साथ अपने संबंधों में ''लगातार प्रगति'' देखी है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी चुनाव के परिणाम चाहे जो भी हों, अमेरिका के साथ उसके संबंध और मजबूत ही होंगे।

यहां अपनी ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान एक प्रश्न के उत्तर में जयशंकर ने क्वाड के भविष्य के बारे में भी आशा व्यक्त की। क्वाड में अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। वोंग ने संवाददाताओं से कहा कि ऑस्ट्रेलिया का मानना है कि चार देशों का यह समूह ''चुनाव परिणाम के परे अपना महत्व बनाए रखेगा''।

विभिन्न मीडिया समूहों के सर्वेक्षणों के मुताबिक डेमोक्रेटिक उम्मीदवार और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस (60) और रिपब्लिकन पार्टी उम्मीदवार और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (78) के बीच कांटे की टक्कर है। जयशंकर ने कहा, ''हमने पिछले पांच राष्ट्रपतियों के कार्यकाल में अमेरिका के साथ अपने संबंधों में लगातार प्रगति देखी है, जिसमें ट्रंप का पिछला राष्ट्रपति कार्यकाल भी शामिल है। इसलिए, जब हम अमेरिकी चुनाव को देखते हैं, तो हमें पूरा भरोसा है कि जो भी नतीजा आए, अमेरिका के साथ हमारे संबंध और मजबूत होंगे।''

शारदा सिन्हा का निधन

नई दिल्ली/एजेन्सी। बिहार की स्वर कोकिला कही जाने वाली शारदा सिन्हा का आज निधन हो गया। वह करीब 72 वर्ष की थी। शारदा सिन्हा लंबे समय से बीमार चल रही थीं और दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एम्स) में उनका इलाज चल रहा था। शारदा सिन्हा के पुत्र अंशुमान सिन्हा ने फेसबुक पोस्ट कर अपनी मां शारदा सिन्हा के निधन की जानकारी दी है। अंशुमान सिन्हा ने लिखा कि आप सब की प्रार्थना और प्यार हमेशा मां के साथ रहेंगे। मां को छठी मईया ने अपने पास बुला लिया है। मां अब शारीरिक रूप में हम सब के बीच नहीं रहीं। महापर्व छठ के गीत गाकर मशहूर हुईं शारदा सिन्हा का निधन छठ पूजा के ही पहले व्रत यानी नहाय-खाय के दिन हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को प्रख्यात लोक गायिका शारदा के निधन पर शोक जताया और कहा कि उनका जाना संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सुप्रसिद्ध लोक गायिका शारदा सिन्हा जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उनके गाए मैथिली और भोजपुरी के लोकगीत पिछले कई दशकों से बेहद लोकप्रिय रहे हैं। उन्होंने कहा, आस्था के महापर्व छठ से जुड़े उनके सुमधुर गीतों की गूंज भी सदैव बनी रहेगी। उनका जाना संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति!

प्रदूषित यमुना

मंगलवार को छठ पूजा के पहले दिन श्रद्धालुओं ने यमुना नदी की सतह पर जहरीले झाग की मोटी परतों के बावजूद इसमें स्नान किया। कालिंदी कुंज क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने प्रदूषित नदी में स्नान किया, जिससे स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी चिंताएं उत्पन्न हो गईं। छठ सूर्य देव की पूजा के लिए समर्पित है और इसे चार दिनों की कठोर दिनचर्या के साथ मनाया जाता है। पहला दिन, जिसे नहाय-खाय के नाम से जाना जाता है, एक शुद्धिकरण अनुष्ठान है जहां भक्त स्नान करते हैं, नए कपड़े पहनते हैं, और चना दाल और कद्दू भात जैसा प्रसाद तैयार करते हैं। जहरीले झाग की मौजूदगी यमुना में प्रदूषण के कारण उत्पन्न चुनौतियों को उजागर करती है, जिससे श्रद्धालुओं के लिए स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ जाती हैं। राष्ट्रीय राजधानी में छठ पूजा के लिए घाटों की तैयारी को लेकर सत्तारूढ़ आप और विपक्षी भाजपा के बीच कई दिनों से राजनीतिक लड़ाई चल रही है।

हैदराबाद में मंदिर की मूर्तियां खंडित पाई गईं, मामला दर्ज

हैदराबाद/भाषा। शमशाबाद स्थित एक मंदिर में नवग्रह मूर्तियां मंगलवार को खंडित पाई गईं, जिसके बाद एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। हनुमान मंदिर में मूर्ति खंडित होने के बारे में जानकारी मिलने के बाद स्थानीय स्थानीय लोग इसकी निंदा करने और विरोध जताने के लिए एकत्रित हुए। मंदिर के पुजारी ने घटना पर दुख व्यक्त किया और इस घटना के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि एक श्रद्धालु ने उन्हें सुबह छह बजे मूर्तियां क्षतिग्रस्त होने के बारे में सूचित किया और उन्होंने देखा कि पांच नवग्रह मूर्तियां खंडित हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस की ए एक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना के सिलसिले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है और स्थानीय मंदिर समिति के साथ चर्चा जारी है।

जाति आधारित जनगणना कराने को प्रतिबद्ध : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि भारत में ''एक अलग ही तरह'' का जातिगत भेदभाव है और ये संभवतः विश्व में सबसे खराब और इस मुद्दे के समाधान के लिए जाति जनगणना पहली चीज जो करने की जरूरत है।

तेलंगाना की कांग्रेस सरकार छह नवंबर से राज्य में जाति सर्वेक्षण की शुरुआत करने वाली है। इस से संबंध कांग्रेस की तेलंगाना इकाई द्वारा आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि वह तेलंगाना में जाति जनगणना सुनिश्चित करने और राज्य को देश में जाति जनगणना के लिए एक मिसाल बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के जाति सर्वेक्षण में कुछ कमियां हो सकती हैं और इन्हें दूर किया जाएगा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस की ओर से संसद में राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना कराने और देश में आरक्षण की 50 प्रतिशत कृत्रिम सीमा को दूर करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि भारत में ''एक अलग ही तरह'' का जातिगत भेदभाव है और ये संभवतः विश्व में सबसे खराब है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें आश्चर्य है कि प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से यह क्यों नहीं कहा कि वह भारत में भेदभाव के विचार को चुनौती देना चाहते हैं।

गांधी ने पूछा, प्रधानमंत्री यह पूछने से क्यों डरते हैं कि कॉरपोरेट, न्यायपालिका और मीडिया में कितने दलित, ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग), आदिवासी हैं। उन्होंने कहा, मैं कोई बहुत विवादास्पद बात नहीं कह रहा। मैं सिर्फ यह कह रहा हूं कि हर कोई स्वीकार करता है कि इस देश में जातिगत भेदभाव है। अब जातिगत भेदभाव की वास्तविक सीमा का पता लगाया जाना चाहिए।

जम्मू कश्मीरः बांदीपोरा में मुठभेड़ में एक आतंकवादी ढेर, दो सुरक्षाकर्मी घायल

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के बांदीपोरा जिले में मंगलवार को सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया जबकि दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने बांदीपोरा के चूंटपाथरी वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने पहले सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की जिसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया जबकि सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक-एक जवान घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दी चेतावनी

आतंकवादियों को पनाह देने वालों के घर जमींदोज कर दिए जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को चेतावनी दी कि आतंकवादियों को पनाह देने वालों के घरों को जमींदोज कर दिया जाएगा। उन्होंने लोगों से आतंकवाद के दोषियों के खिलाफ एकजुटता के साथ खड़े होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अगर सुरक्षा बल, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और लोग एकजुट हो जाएं तो एक साल में ही क्षेत्र से आतंकवाद का सफाया हो सकता है।

उप राज्यपाल ने उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, मैंने सुरक्षा बलों को निर्देश दिया है कि वे किसी भी निर्दोष को नुकसान न पहुंचाएं, लेकिन दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। अगर कोई आतंकवादियों को पनाह देता है तो उसके घर को जमींदोज कर दिया जाएगा। इस पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

सिन्हा ने कहा कि कुछ लोग बयान देते हैं कि आतंकवादियों को पनाह देने वालों पर अत्याचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, यह अत्याचार नहीं है, बल्कि न्याय की मांग है और ऐसा न्याय जारी रहेगा।

सिन्हा ने कहा कि ''हमारा पड़ोसी अशांति फैलाने का प्रयास कर रहा है, लेकिन यह हमें चिंतित नहीं कर रहा बल्कि यहां के लोग ही उसके निर्देश पर ऐसा कर रहे हैं यह चिंता का विषय है। ऐसे लोगों की पहचान करना सिर्फ सुरक्षा बलों और प्रशासन का ही काम नहीं है, बल्कि लोगों का भी काम है। उन्होंने कहा कि अगर लोग आतंकियों को पनाह देते हैं और फिर कहते हैं कि हम उनके साथ अन्याय कर रहे हैं, तो यह सही नहीं है।

आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मंगलवार को बेंगलूरु में कर्नाटक भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने अपने जन्मदिन के मौके पर पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा से आशीर्वाद प्राप्त किया।

धान खरीद में देरी से गेहूं की बुवाई पर पड़ने वाले असर पर कृषि मंत्री से चर्चा करेंगे : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धान खरीद में देरी से गेहूं की बुवाई पर पड़ने वाले असर पर कृषि मंत्री से चर्चा करेंगे : जोशी

नई दिल्ली/भाषा। खाद्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि वह पंजाब में धान खरीद में देरी से गेहूं की बुवाई पर पड़ने वाले संभावित असर के बारे में कृषि मंत्री से चर्चा करेंगे। साथ ही उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि सरकार मंडियों में लाए गए 'हर एक दाने' की खरीद करेगी।

इस देरी से नवंबर के मध्य में गेहूं की बुवाई से पहले खेतों को साफ करने के लिए किसानों द्वारा पराली जलाने की बढ़ती आशंकाओं के बीच जोशी ने कहा कि खरीद तत्काल प्राथमिकता बनी हुई है।

भारत ब्रांड के तहत सब्सिडी वाली दर पर गेहूं के आटे और चावल के दूसरे चरण की शुरुआत के मौके पर जोशी ने संवाददाताओं से कहा, अब हमारी प्राथमिकता खरीद है। पराली जलाने और गेहूं की बुवाई का काम कृषि मंत्रालय देखता है। उन्होंने कहा कि हालांकि, दोनों मंत्रालय इस मुद्दे पर तालमेल बिठा रहे हैं।

मंत्री ने कहा, हम उस पहलू पर भी विचार करेंगे। फिलहाल हमारी प्राथमिकता खरीद है। मेरी मुख्य चिंता यह है कि किसानों को इस समय चिंतित नहीं होना चाहिए।

गेहूं की बुवाई में देरी से उत्पादन प्रभावित होने के सवाल पर जोशी ने कहा, मेरे पास विस्तृत जानकारी नहीं है। अगले दो-तीन दिन में मैं कृषि मंत्री से मिलूंगा। यह मेरे लिए उतना ही चिंताजनक है, क्योंकि कि हम सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से गेहूं वितरित करते हैं।

मंत्री ने कहा कि पंजाब में धान खरीद के काम में तेजी आई है, चार नवंबर को एक दिन में 6.29 लाख टन धान की खरीद हुई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में 5.34 लाख टन धान की खरीद हुई थी। उन्होंने कहा कि पिछले साल 119 लाख टन की तुलना में अब तक कुल खरीद 98.42 लाख टन हो चुकी है। उन्होंने बताया कि 20-28 लाख टन की कमी बारिश के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि केंद्र चालू विपणन सत्र 2024-25 में लक्षित 184 लाख टन की खरीद के लिए प्रतिबद्ध है।

जोशी ने कहा, हम किसानों द्वारा मंडियों में लाए गए हर अनाज के दाने की खरीद करेंगे।

सरकार 2,320 रुपए प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 'ए' ग्रेड धान खरीद रही है। सरकार ने पहले ही 5.38 लाख किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से एमएसपी भुगतान के रूप में 20,557 करोड़ रुपए हस्तांतरित कर दिए हैं।

चीनी के न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाने की उद्योग की मांग के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा, उनका अनुरोध मंत्रालय के पास है। हम उचित समय पर निर्णय लेंगे।

शरद पवार ने संकेत दिया कि वह सांसद के रूप में दूसरा कार्यकाल नहीं चाहेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने संसदीय राजनीति से संन्यास लेने का संकेत देते हुए मंगलवार को कहा कि उन्हें इस बात पर विचार करना होगा कि राज्यसभा की सदस्यता का मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने बाद क्या उन्हें एक बार फिर से उच्च सदन में जाना चाहिए या नहीं।

जिले के बारामती विधानसभा क्षेत्र के सुपा में अपने पोते युगेंद्र पवार के लिए एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए 83 वर्षीय नेता ने कहा कि उन्हें कहीं तो रुकना होगा और नए नेतृत्व के लिए रास्ता बनाना होगा। वरिष्ठ नेता ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में 14 चुनाव जीते हैं।

पवार ने कहा, आपके सहयोग से ही मैं पहले विधानसभा में गया। राज्य मंत्री बना और फिर कैबिनेट मंत्री बना। चार बार मुख्यमंत्री बना। केंद्र में रक्षा मंत्री रहा। बाद में दस साल तक कृषि मंत्री रहा और आज मैं राज्यसभा में हूं। उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले उन्होंने लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया था क्योंकि वह नए नेतृत्व को जिम्मेदारी देना चाहते थे। पवार ने कहा, मैंने तय किया कि मैं यहां की स्थानीय राजनीति में शामिल नहीं रहूंगा और सारी जिम्मेदारियां अजित दादा (भतीजे अजित पवार) को दे दी। पिछले 25-30 साल से सारी जिम्मेदारियां उन्हीं के पास थीं। पहले 30 साल मैं वहां था, उसके बाद 25-30 साल अजित दादा वहां रहे और अब नए नेतृत्व की व्यवस्था करने की जरूरत है। शरद पवार की अगुआई वाली राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने युगेंद्र को टिकट दिया है, जो 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बारामती में अपने चाचा और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के खिलाफ मैदान में हैं। अजित पवार ने 2023 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को तोड़ दिया था और वह सत्तारूढ़ शिवसेना-भाजपा गठबंधन में शामिल हो गए थे।

अपनी उपलब्धियों को गिनाते हुए शरद पवार ने कहा कि जब वह सत्ता में थे तो कुछ विकास हुआ। उन्होंने कहा, मैंने बहुत काम किए। मैंने 70,000 करोड़ रुपए के कृषि ऋण माफ किए, कृषि उपज की कीमतें बढ़ाने के लिए काम किया, कृषि निर्यात को सुविधाजनक बनाया, रक्षा मंत्रालय में काम करते हुए महिलाओं को सशस्त्र बलों में अवसर दिए। शरद पवार ने कहा कि जब वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे, तब स्थानीय निकायों में महिलाओं को 50% प्रतिनिधित्व दिया गया था। उन्होंने पश्चिमी महाराष्ट्र क्षेत्र में जल संकट के मुद्दे पर ध्यान न देने के लिए अपने भतीजे एवं बारामती से वर्तमान विधायक अजित को जिम्मेदार ठहराया। शरद पवार ने दावा किया, जब मैं राज्य का मुख्यमंत्री था, तब मैंने बारामती में जनाई शिरसाई (सिंचाई) परियोजना को मंजूरी दी थी।

झूठ ज्यादा नहीं टिकता, कांग्रेस का फर्जी विमर्श ध्वस्त हुआः फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को विपक्षी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि संविधान पर उसका फर्जी विमर्श ध्वस्त हो गया है और कहा कि झूठ ज्यादा दिन नहीं टिकता।

फडणवीस ने एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) वाली सत्तारूढ़ महायुति फिर से निर्वाचित होती है तो इसके घटक दल मिलकर यह तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन होगा।

भाजपा नेता ने 20 नवंबर को होने वाले राज्य चुनावों के लिए अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत नागपुर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से की। महाराष्ट्र में 2014 से 2019 तक और नवंबर 2019 में 80 घंटे के लिए मुख्यमंत्री रहे फडणवीस ने नागपुर से पांच बार विधानसभा चुनाव लड़ा तथा सफलता हासिल की। यह उनका छठा विधानसभा चुनाव है और वह वर्ष 1999 से अब तक 25 साल से विधायक हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को नागपुर में 'संविधान सम्मान सम्मेलन' आयोजित करने वाले हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्ष की पार्टी फिर से एक कहानी गढ़ने की कोशिश कर रही है, फडणवीस ने कहा, झूठ की उम्र बहुत कम होती है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी ''फर्जी'' कहानी खत्म हो चुकी है। अब वे फिर से एक ''नाटक'' करना चाहते हैं, जिसका कोई जवाब नहीं मिलेगा।

फडणवीस ने कहा, लोग अच्छी तरह जानते हैं कि यह (प्रधानमंत्री) मोदी जी थे जिन्होंने जम्मू कश्मीर और पूरे भारत में संविधान को लागू करने का साहस दिखाया। कांग्रेस ने कभी जम्मू कश्मीर में संविधान को लागू नहीं होने दिया।

यह पूछे जाने पर कि अगर सत्तारूढ़ महायुति फिर से सत्ता में आती है तो भाजपा कार्यकर्ता उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं, फडणवीस ने कहा कि कार्यकर्ताओं का ऐसा महसूस करना स्वाभाविक है क्योंकि वे चाहते हैं कि उनका नेता महान बने।

भाजपा नेता ने कहा कि जब उनका गठबंधन निर्वाचित होगा, तो वे सभी एक साथ बैठेंगे और तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन होगा। उपमुख्यमंत्री ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं तक पहुंचने के लिए हिंगना टी-पॉइंट पेट्रोल पंप से छत्रपति सभागृह तक भाजपा कार्यकर्ताओं की एक विशाल रैली का नेतृत्व किया।

पवन कल्याण की टिप्पणियों को 'सकारात्मक' रूप से लेती हूं: आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वंगालापुडी अनिता ने मंगलवार को कहा कि वह राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति संभालने के उनके तरीके पर उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की टिप्पणियों को 'सकारात्मक रूप' में देखती हैं। अनिता की यह प्रतिक्रिया कल्याण द्वारा राज्य में तेदेपा, भाजपा और जनसेना की नई गठबंधन सरकार के पांच महीने के कार्यकाल के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने और महिलाओं के खिलाफ हिंसा बढ़ने की बात कहे जाने के एक दिन बाद आई है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैंने उनकी (कल्याण की) टिप्पणियों को सकारात्मक रूप से लिया है। उनकी प्रेस वार्ता, वास्तव में, उत्साहजनक थी... उन्होंने मेरे काम के लिए एक सहायक आधार प्रदान किया तथा मुझसे और भी अधिक मुखर होने का आग्रह किया। उन्होंने यही संप्रेषित किया। अनिता ने इस बात पर भी जोर दिया कि कल्याण ने उन्हें असफल नहीं बताया। उपमुख्यमंत्री ने सोमवार को राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पर चिंता व्यक्त की थी और कहा था कि अगर वह राज्य के गृह मंत्री होते तो ''चीजें अलग होतीं''।

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को भविष्य के लिए तैयार करने के प्रयास जारी: पॉल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग के सदस्य वी. के. पॉल ने मंगलवार को कहा कि सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए इसमें नई ऊर्जा फूंकने को प्रतिबद्ध है।

'फिक्की हील 2024' सम्मेलन को संबोधित करते हुए पॉल ने कहा कि 'विकसित भारत' का मतलब 32,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय को मौजूदा 2,500 अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 18,000 डॉलर करना भी है। उन्होंने कहा, हम सिर्फ एक योजना नहीं चला रहे हैं, बल्कि संपूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का निर्माण कर रहे हैं..जो भविष्य के लिए तैयार होगी और 2047 तक हमारे देश को विकसित बनाने की यात्रा में मददगार होगी। पॉल ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र इस यात्रा का आधार होगा और इसे अन्य क्षेत्रों से आगे निकलने का प्रयास करना चाहिए। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एआई के इस्तेमाल को रेखांकित करते हुए पॉल ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि नई प्रौद्योगिकियों को अपनाया जाए। उन्होंने उद्योग जगत से इसके लिए आगे आने का आग्रह करते हुए कहा, ...हम चाहते हैं कि भारत न केवल स्वास्थ्य के लिए एआई का सबसे बड़ा उपभोक्ता बने, बल्कि स्वास्थ्य के लिए एआई का सबसे बड़ा निर्माता भी बने। पॉल ने कहा कि सरकार भारत में एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाने के लिए काम कर रही है, जिससे 2047 तक औसत जीवनकाल 71 वर्ष से बढ़कर 85 वर्ष हो जाएगा, साथ ही चिकित्सकीय अनुपात तथा अस्पताल बिस्तर अनुपात में भी वृद्धि होगी।

जहांगीरपुरी में मंदिर में एक ही समुदाय के दो समूहों के बीच झड़प के बाद पथराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में एक मंदिर में किशोरों के दो समूहों के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद पथराव हुआ। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, इस घटना में दो नाबालिग लड़के घायल हो गए, जिन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। दोनों की हालत सामान्य बताई गई है।

पथराव की घटना का एक कथित सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें कुछ लड़कों को एक मंदिर में एक-दूसरे पर पत्थर फेंकते देखा जा सकता है। पुलिस ने कहा कि घटना सोमवार रात करीब 8:15 बजे हुई और मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने एक बयान में कहा, हमें एक मंदिर में पथराव की घटना के संबंध में कई पीसीआर कॉल मिलीं। महिंद्रा पार्क पुलिस थाने की कई टीम तुरंत मौके पर पहुंचीं और शुरुआती जांच से पता चला कि एक ही समुदाय के किशोरों के दो समूह आपस में भिड़ गए। अधिकारी ने बताया कि दोनों समूहों के बीच पुराना विवाद था। पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पश्चिम) अभिषेक धानिया ने वीडियो संदेश में कहा, आरोपियों को पकड़ने के लिए कई टीम गठित की गई हैं। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए पूरे मामले को गलत तरीके से पेश किया।

गेल इंडिया लिमिटेड का शुद्ध लाभ सितंबर तिमाही में 10% बढ़कर 2,690 करोड़ रु. पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 2,689.67 करोड़ रुपए रहा है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि गैस संचरण (ट्रांसमिशन) कारोबार से आय बढ़ने और पेट्रोरसायन कारोबार में सुधार से कंपनी के विपणन मार्जिन में आई गिरावट की भरपाई हो गई। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 2,442.18 करोड़ रुपए रहा था।

भारत की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस कंपनी गेल इंडिया लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी परिचालन आय सितंबर तिमाही में 33,981.33 करोड़ रुपए पर लगभग स्थिर रही है।

गेल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) संदीप कुमार गुप्ता ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में पेट्रोरसायन खंड के यथोचित लाभप्रद रहने की उम्मीद है। कंपनी ने सितंबर तिमाही के दौरान मुख्य रूप से पाइपलाइन और पेट्रोरसायन पर 1,885 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय किया, जिससे 30 सितंबर तक कुल पूंजीगत व्यय 3,544 करोड़ रुपए हो गया।

दाऊदी बोहरा समुदाय ने वक्फ बोर्ड के दायरे से बाहर रखे जाने की मांग की

नई दिल्ली/भाषा। दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रतिनिधियों ने वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति से मंगलवार को आग्रह किया कि उनके समुदाय को किसी भी वक्फ बोर्ड के दायरे से बाहर रखा जाए। उनका कहना था कि वक्फ संशोधन विधेयक उनके विशेष दर्जे का उल्लेख नहीं करता।

इस समुदाय के प्रतिनिधियों की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल की अध्यक्षता वाली समिति के समक्ष पेश हुए। समुदाय द्वारा दिए गए एक लिखित आवेदन में कहा गया कि यह एक ''छोटा और मजबूती से जुड़ा हुआ'' संप्रदाय है। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने कहा, इसके मामलों को उस तरह के विनियमन की आवश्यकता नहीं है जिसे अन्य समुदायों के संबंध में आवश्यक या यहां तक कि वांछनीय माना जा सकता है।

उनका कहना था कि यह आवश्यक है कि समुदाय के सदस्यों को उनकी मान्यताओं और आवश्यक धार्मिक प्रथाओं के अनुसार ऐसी संपत्तियों की स्थापना, रखरखाव, प्रबंधन और प्रशासन करने की अनुमति दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि वक्फ बोर्ड की शक्तियां इस समुदाय के बुनियादी मत को कमजोर करती हैं।

बिरला से मिले विपक्षी सांसद, जगदम्बिका पाल के 'एकतरफा' फैसलों को लेकर विरोध दर्ज कराया

नई दिल्ली/भाषा। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति में शामिल विपक्षी सांसदों ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर समिति के अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद जगदम्बिका पाल द्वारा कथित तौर पर लिए जा रहे एकतरफा निर्णयों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। विपक्षी सदस्यों ने सोमवार को जगदम्बिका पाल पर 'एकतरफा' फैसले करने और पूरी प्रक्रिया को 'ध्वस्त' करने का आरोप लगाया था तथा इस समिति से खुद को अलग करने का संकेत दिया था। एक सूत्र के अनुसार, विपक्षी नेताओं ने उम्मीद जताई कि बिरला ने समिति की बैठकों के सिलसिले को कम करने के लिए कदम उठाएंगे ताकि सदस्यों को बैठकों की तैयारी करने और दी गई प्रस्तुतियों का अध्ययन करने की अनुमति मिल सके। एक सदस्य ने कहा कि समिति की अब एक पखवाड़े में एक या दो बैठकें हो सकती हैं। बैठक के बाद विपक्षी सदस्यों ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ने उनकी बात धैर्यपूर्वक सुनी और उन्हें जल्द से जल्द निर्णय लेने का आश्वासन दिया।

कांगड़ा में फंसे पोलैंड के पैराग्लाइडर को बचाया गया, पैराग्लाइडिंग विश्व कप में मौसम की वजह से बाधा

धर्मशाला/भाषा। हिमाचल प्रदेश में रविवार को एक अन्य पैराग्लाइडर से टकराने के बाद कांगड़ा जिले धौलाधार की पहाड़ियों में फंसे पोलैंड के पैराग्लाइडर को मंगलवार को सुरक्षित बचा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पैराग्लाइडर रविवार को एक अन्य पैराग्लाइडर से हवा में टकराने के बाद धौलाधार की पहाड़ियों में फंस गया था। सोमवार को उसे हेलिकॉप्टर से बचाने की कोशिश की गई थी लेकिन कठिन भौगोलिक क्षेत्र के कारण प्रयास विफल हो गया। बैजनाथ के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) डीसी ठाकुर ने बताया, पोलैंड के 'फ्री फ्लायर पैराग्लाइडर' एंड्रयू बैबिंस्की को हवाई मार्ग के जरिये सुरक्षित रूप से निकालकर पालमपुर के विवेकानंद अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कनाडा मंदिर हमला: पवन कल्याण ने ट्रूडो सरकार से हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमले को ''छिटपुट घटना से कहीं अधिक'' करार देते हुए आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा है कि इस मामले से उन्हें गहरा दुख हुआ है और उन्हें आशा है कि कनाडा सरकार वहां हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी।

कल्याण ने सोमवार रात सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में कहा कि हिंदू वैश्विक अल्पसंख्यक हैं, ऐसे में उन पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है, उनके साथ कम एकजुटता दिखाई जाती है और उन्हें आसानी से निशाना बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि उनके (हिंदुओं के) खिलाफ नफरत का हर कृत्य, दुर्व्यवहार का हर मामला उन सभी के लिए एक झटका है जो मानवता और शांति को महत्व देते हैं। कल्याण ने कहा, मुझे यह देखकर बहुत दुख होता है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और हाल ही में बांग्लादेश जैसे देशों में हमारे हिंदू भाई-बहन उत्पीड़न, हिंसा और अकल्पनीय पीड़ा झेल रहे हैं। उन्होंने कहा, आज कनाडा में एक हिंदू मंदिर और हिंदुओं पर हुआ हमला दिल पर प्रहार है तथा इससे पीड़ा और चिंता दोनों पैदा होती हैं। कल्याण ने कहा कि लेकिन यह कोई छिटपुट घटना नहीं है बल्कि विभिन्न देशों में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा एवं लक्षित घृणा की घटनाएं लगातार हो रही हैं, ऐसे में भी वैश्विक नेताओं, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और ''तथाकथित शांतिप्रिय'' गैर सरकारी संगठनों की चुप्पी डराने वाली है। उन्होंने कहा कि यह केवल करुणा की अपील नहीं है, बल्कि कार्रवाई का आह्वान है, जिसे विश्व को स्वीकार करना चाहिए तथा हिंदुओं की पीड़ा को उसी तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ दूर करना चाहिए, जिस तरह वह दूसरों के लिए करता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, मैं हृदय से उम्मीद करता हूं कि कनाडा सरकार वहां हिंदू समुदाय के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के वास्ते तत्काल निर्णायक कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि मानवता चुनिंदा करुणा बर्दाश्त नहीं कर सकती और लोगों को कहीं भी, किसी भी समुदाय के उत्पीड़न के खिलाफ अडिग संकल्प के साथ एकजुट होना चाहिए। पालनाडु जिले में मंगलवार को एक जनसभा में कल्याण ने कहा कि वह केंद्र से अपील कर रहे हैं कि वह कनाडा और बांग्लादेश की स्थिति पर विश्व नेताओं से बात करें, जहां उनके अनुसार हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। सनातन धर्म का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह बड़ा हृदय रखने का धर्म है और अगर मुसलमानों के साथ 'कुछ' होता है तो वह उनकी रक्षा करेंगे।

भाजपा के मददगार महाराष्ट्र के 'दुश्मन, लड़ाई राज्य से प्यार और विश्वासघात करने वालों के बीचः उद्धव

कोल्हापुर/भाषा। शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत की और 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव को महाराष्ट्र से प्रेम करने वालों और इसे धोखा देने वालों के बीच की लड़ाई बताया। उन्होंने पार्टी में 2022 में होने वाले विभाजन का भी उल्लेख किया।

ठाकरे ने अपने पूर्व सहयोगी भाजपा और उसके सहयोगियों पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग राष्ट्रीय पार्टी की मदद कर रहे हैं, वे महाराष्ट्र के दुश्मन हैं। उन्होंने मतदाताओं से कई वादे किए, जिनमें विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) के सत्ता में आने पर हर जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर बनाने का वादा भी शामिल है। कोल्हापुर जिले के राधानगरी में 2024 के विधानसभा चुनावों की पहली रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग राज्य से प्यार करते हैं वे विपक्षी एमवीए के साथ जुड़े हुए हैं जिसमें शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं। राधानगरी प्रकाश आबितकर का निर्वाचन क्षेत्र है जो उनके नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह करने वाले 40 शिवसेना विधायकों में से एक हैं। ठाकरे ने कहा कि भाजपा की मदद करने वाले राज्य के दुश्मन हैं। अपने एक समय के सहयोगी पर हमला करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर महाराष्ट्र को गुजरात के हाथों बेचने का आरोप लगाया, जहां वह सत्ता में है। ठाकरे ने दावा किया कि उनकी सरकार जून 2022 में इसलिए गिरा दी गई क्योंकि उन्होंने भाजपा को महाराष्ट्र को नुकसान नहीं पहुंचाने दिया।

सूचना प्रौद्योगिकी भवन का हुआ उद्घाटन

आईटी विकास से 3 हजार से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार : मुख्यमंत्री स्टालिन

मंगलवार को कोयम्बटूर में विलांगुरिची में 158.32 करोड़ रुपये की लागत से सूचना प्रौद्योगिकी भवन का लोकार्पण मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां मंगलवार को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल सेवा विभाग की ओर से विलांगुरिची में 158 करोड़ 32 लाख रुपये की लागत से 2.94 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में निर्मित सूचना प्रौद्योगिकी भवन का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि राज्य के आर्थिक विकास को गति देने में आईटी क्षेत्र की क्षमता को पहचानते हुए, तमिलनाडु सरकार तेजी से आईटी विकास के लिए अनुकूल कारोबारी माहौल बना रही है। इसने तमिलनाडु को बहुराष्ट्रीय आईटी और आईटी सेवा कंपनियों के लिए निवेश के लिए पसंदीदा विकल्प बना दिया है। तमिलनाडु में आईटी और आईटी से संबंधित सेवाओं को फलने-फूलने के लिए, तमिलनाडु इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन के माध्यम से आईटी और आईटी विशेष आर्थिक क्षेत्र (एडउजड्एन) बनाने के लिए, ग्रामीण और शहरी आबादी के बीच आईटी के उपयोग के अंतर को भरने के लिए, तमिलनाडु को देश का सबसे अग्रणी देश बनाने के लिए। आईटी ई-गवर्नेंस में सर्वश्रेष्ठ राज्य, तमिलनाडु सरकार का लक्ष्य सॉफ्टवेयर निर्यात बढ़ाना है।

इस नए आईटी भवन में पार्किंग के लिए दो बेसमेंट और भूतल पर आईटी कार्यालय स्थान और पांच ऊपरी मंजिलें हैं। इसके अलावा 8 होइस्ट, अग्निशमन सुविधाएं, दूरसंचार सुविधाएं, वर्षा जल संचयन सुविधाएं, 72 घंटे जनरेटर संचालन के लिए 30,000 लीटर क्षमता का डीजल भंडारण टैंक, छह लाख लीटर क्षमता का भूमिगत जल टैंक, 1.35 लाख लीटर क्षमता का ओवरहेड जल टैंक, 130 केएलडी सीवेज उपचार संयंत्र बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस भवन में विभिन्न कंपनियों को जगह आवंटित की और इसके लिए आदेश जारी किए गए हैं। इससे करीब 3500 लोगों को रोजगार मिलेगा साथ ही अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को भी रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

इस कार्यक्रम में नगर प्रशासन मंत्री केएन नेहरू, लोक निर्माण मंत्री ईवी वेलु, तमिल विकास एवं सूचना मंत्री एमपी समीनाथन, बिजली, निषेध और नियामक मामलों के मंत्री वी. सेंथिलबालाजी, सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल सेवा मंत्री डॉ. पलानीवेल त्यागराजन, उद्योग, निवेश संवर्धन और व्यापार मंत्री डॉ. डी.आर.पी. राजा, संसद सदस्य गणपति बी. राजकुमार, के. ईश्वरसामी, मुख्य सचिव श्री. ना. मुरुगानंदम, लोक निर्माण विभाग, अपर मुख्य सचिव मंगत राम शर्मा सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी और कामराजार पोर्ट लिमिटेड के अध्यक्ष सुनील पालीवाल, चेन्नई पोर्ट के उपाध्यक्ष एस. विश्वनाथन और कामराजार पोर्ट लिमिटेड की प्रबंध निदेशक जेपी आयरीन सिंधिया ने केन्द्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनेवाल की अगवानी की तथा उनका स्वागत किया।

सोनोवाल ने चेन्नई बंदरगाह पर चार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का किया अनावरण

केन्द्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा भी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अपनी दो दिवसीय यात्रा के पहले दिन केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने 187 करोड़ रुपए से अधिक की 4 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का अनावरण किया, जिसमें चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण की दो बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शामिल हैं, जिनकी कुल लागत लगभग 78 करोड़ रुपए है और कामराजार बंदरगाह लिमिटेड की दो बुनियादी ढांचा परियोजनाएं, जिनकी कुल लागत 109 करोड़ रुपये से अधिक है।

केन्द्रीय मंत्री सोनेवाल ने बताया कि चेन्नई बंदरगाह परियोजना के तहत 73.91 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से 4 एक्जिम गोदामों के निर्माण और गोदामों के आसपास कंक्रीट सड़कों के विकास के लिए आधारशिला रखी गई। इस परियोजना का लक्ष्य चेन्नई बंदरगाह के अंदर कवर भंडारण क्षेत्रों की बढ़ती मांग को पूरा करना और बंदरगाह के एक्जिम व्यापार भागीदारों के लिए सुरक्षित कार्गो भंडारण क्षेत्र सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि चेन्नई बंदरगाह परियोजना के तहत तटीय सड़क का समर्पण, चेन्नई बंदरगाह के अंदर 300 मीटर लंबी पूर्वी परिधीय सड़क लगभग 4 करोड़ रुपए की लागत से बनी है। यह सड़क कार्गो निकासी में काफी सुधार करती है, विशेष रूप से चेन्नई बंदरगाह पर दूसरे अंतरराष्ट्रीय कंटेनर टर्मिनल से तटीय कार्गो और कंटेनरों के लिए, जिससे ट्रेलरों और ट्रकों का टर्नअराउंड समय तेज हो जाता है।

सर्बानंद सोनेवाल ने बताया कि कामराजर बंदरगाह परियोजना के तहत 88.91 करोड़ रुपए की लागत से विकसित दक्षिणी रेलवे संपर्क के दोहरीकरण का उद्घाटन किया गया, यह परियोजना केपीएल की रेक हैंडलिंग क्षमता को 22 रेक/दिन से बढ़ाकर 44 रेक/दिन कर देगी। 20.51 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह परियोजना स्थायी बंदरगाह प्रथाओं की दिशा में एक साहसिक कदम है, जो जहाजों को किनारे पर बिजली की आपूर्ति करके बर्थ पर जहाजों के जीएचजी गैस उत्सर्जन को कम करेगी, बजाय इसके कि जहाज जीवाश्म ईंधन जलाकर जहाज पर बिजली पैदा करें। चेन्नई बंदरगाह कार्यक्रम के तहत केंद्रीय मंत्री ने चेन्नई बंदरगाह के 'क्लाइव बैटरी क्वार्टर' का नाम बदलकर 'रामानुजम क्वार्टर' करके महान गणितज्ञ, तत्कालीन मद्रास बंदरगाह ट्रस्ट के कर्मचारी स्वर्गीय श्रीनिवास रामानुजम को श्रद्धांजलि दी।

केन्द्रीय मंत्री सोनेवाल ने बंदरगाह समीक्षा बैठक में भाग लिया और विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा भी की। उन्होंने समुद्री अमृत काल विजन 2047, पीएम गति शक्ति पहल, व्यापार करने में आसानी पहल और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारियों के तहत पहल में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप दोनों बंदरगाहों, चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण और कामराजर बंदरगाह लिमिटेड की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने दोनों संगठनों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों के बारे में जानकारी ली और सरकारी समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने बंदरगाह अधिकारियों से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए समय पर कार्रवाई करने और राष्ट्र के विकास में योगदान देने का आग्रह किया। सोनोवाल ने सामुदायिक निर्माण श्रेणी के तहत स्थिरता के लिए टोक्यो, जापान में मुख्यालय वाले अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह और बंदरगाह संघ द्वारा हाल ही में दिए गए वैश्विक सम्मान के लिए चेन्नई बंदरगाह को बधाई दी। सामुदायिक सशक्तीकरण और सतत विकास पर चेन्नई बंदरगाह की पहल ने वैश्विक मानक स्थापित किए हैं और चेन्नई बंदरगाह को आईएपीएच स्थिरता पुरस्कार प्राप्त करने वाला पहला भारतीय बंदरगाह बना दिया है। चेन्नई बंदरगाह को 71 अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगियों के बीच सर्वश्रेष्ठ बंदरगाह चुना गया था और जर्मनी के हैम्बर्ग में अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह और बंदरगाह संघ (आईएपीएच) द्वारा आयोजित एक समारोह में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

SUNDARAM FINANCE
Enduring values. New age thinking.

सुंदरम फाइनेंस को सितंबर तिमाही में 340.09 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) सुंदरम फाइनेंस लिमिटेड का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही में 340.09 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 366.38 करोड़ रुपये रहा था।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ 647.74 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 647.66 करोड़ रुपये रहा था।

कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि सुंदरम फाइनेंस की टीम ने पहली छमाही में उम्मीद से कम आर्थिक गतिविधियों के बावजूद संतुलित कारोबार किया है।

कंपनी के कार्यकारी वाइस चेयरमैन हर्ष विजी ने कहा, प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां 20 प्रतिशत बढ़कर 48,058 करोड़ रुपये हो गईं। पहली छमाही में शुद्ध लाभ 648 करोड़ रुपये रहा।

जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी की कुल आमदनी 1,612.10 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,378.11 करोड़ रुपये थी।

पहली छमाही में कंपनी की एकल आधार पर कुल आमदनी बढ़कर 3,088.38 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2,572.22 करोड़ रुपये थी।

कमला हैरिस के पैतृक गांव के लोग अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हैरिस की जीत की कर रहे कामना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवरुर। तिरुवरुर जिले के थुलसेंद्रपुरम गांव में उत्साह और उम्मीद का माहौल बना हुआ है एवं लोगों को आस है कि वर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करेंगी।

हैरिस के पैतृक गांव थुलसेंद्रपुरम में ग्रामीणों ने श्री धर्म संस्था मंदिर में इस उम्मीद से प्रार्थना की है कि वह पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप को हराकर विजयी होंगी। अमेरिकी आज अपना अगला

राष्ट्रपति चुनने के लिए मतदान करेंगे। थुलसेंद्रपुरम कमला के नाना और पूर्व भारतीय राजनयिक पी.वी. गोपालन का पैतृक गांव है। कमला की मां श्यामला पूर्व भारतीय राजनयिक गोपालन की बेटी थीं। अगस्त 2020 में यह गांव तब सुर्खियों में आया जब कमला को उपराष्ट्रपति पद के डेमोक्रेट उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया था और बाद में उसी साल इस गांव में उनकी जीत का जश्न मनाया गया। पार्षद अरुलमोझी ने कहा, ''हमारी सच्ची प्रार्थना है कि अमेरिकी चुनाव में इस धरती की बेटी की जीत हो और वह दुनिया के सबसे प्रभावशाली देश की राष्ट्रपति बनें।'' अरुलमोझी और उनके पति टी. सुधाकर ने चंदन और हल्दी से विशेष अभिषेक के अलावा श्री धर्म संस्था मंदिर के मूल देवता के लिए विशेष अर्चना का आयोजन किया है।

मंदिर के मूल देवता कमला के पूर्वजों के कुलदेवता हैं। ग्रामीणों ने एक बड़ा बैनर भी लगाया है जिसपर कमला की तस्वीर है। इस बैनर पर कमला को जीत की शुभकामनाएं दी गयी हैं। मदुरै में भी ऐसी ही प्रार्थनाएं की गईं, जहां आध्यात्मिक संगठन अनुशनाथिन अनुग्रहम ने चार नवंबर को एक विशेष प्रार्थना की। अगर कमला चुनाव जीत जाती हैं, तो जिले के पेंगानाडु में गांव के नेता गरीबों को 'अन्नदानम' (मुफ्त भोजन) देंगे। अरुलमोझी कहती हैं, कमला के पूर्वज हमारे गांव से हैं... वह एक बड़े पद के लिए लड़ रही महिला हैं और हम चाहते हैं कि वह जीतें।'' कमला के नाना गोपालन का जन्म इसी गांव में हुआ था। उन्होंने श्री धर्म संस्था मंदिर को करीब एक लाख रुपए का दान दिया था।

केंद्र ट्रेन हादसे में जान गंवाने वाले सफाईकर्मियों के परिवारों को मुआवजा दे : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने रेल मंत्रालय से राज्य के शोरानूर रेलवे स्टेशन के पास दुर्घटना में जान गंवाने चार सफाई कर्मचारियों के परिवारों को पर्याप्त मुआवजा देने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह चाहते हैं कि रेलवे में अनुबंध के आधार पर कार्यरत कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी दिशानिर्देश जारी किया जाए।

शनिवार को दो महिलाओं सहित तमिलनाडु के चार श्रमिकों की रेलवे पटरियों से कचरा इकट्ठा करने के दौरान तिरुवनंतपुरम जाने वाली केरल एक्सप्रेस की चपेट में आने से मौत हो गयी थी। सोमवार को रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव को भेजे

पत्र में विजयन ने कहा कि उनकी सरकार शोरानूर रेलवे स्टेशन के पास नदी के पुल पर हुई इस त्रासदपूर्ण घटना से 'बहुत दुखी' है। उन्होंने कहा कि रेलवे ठेकेदार द्वारा इन मजदूरों को ट्रैक की सफाई के काम में लगाया गया था और जाहिर है कि उन्हें आने वाली ट्रेन के बारे में पता नहीं था।

मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा कि यह स्पष्ट है कि उन्हें रेलवे पटरियों के पास सुरक्षित ढंग से कार्य करने के बारे में कोई प्रशिक्षण नहीं दिया गया था और न ही उन्हें इसकी जानकारी दी गई थी। विजयन ने कहा कि यह दूसरी दुर्घटना है, इससे कुछ महीने पहले एक अस्थायी सफाई कर्मी पटरी के नीचे अमयिझानजान नहर की सफाई करते समय बह गया था। उन्होंने कहा, ये दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं दर्शाती हैं कि जो लोग अनुबंध पर कर्मचारियों को रखते हैं, वे आवश्यक सुरक्षा सावधानियां नहीं बरत रहे हैं।

विजयन ने कहा, ''मैं आपका ध्यान सुरक्षा उल्लंघनों की ओर तत्काल आकर्षित करता हूं और अनुरोध करता हूं कि अनुबंधित कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित निर्देश जारी किए जाएं।'' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि केंद्रीय मंत्री यह सुनिश्चित करें कि रेलवे इस तथ्य पर विचार कर उनके परिवारों को पर्याप्त मौद्रिक मुआवजा दे, कि मृतक कर्मचारी अस्थायी आधार पर शारीरिक श्रम में लगे हुए थे।

निर्माता संगठन ने अनुशासनहीनता के आरोप में प्रसिद्ध निर्माता सैंड्रा थॉमस को निष्कासित किया

कोच्चि। फिल्म निर्माता सैंड्रा थॉमस को संगठनात्मक अनुशासन और मानदंडों का उल्लंघन करने के आरोप में केरल फिल्म निर्माता संघ (केएफपीए) से निष्कासित कर दिया गया। थॉमस ने मलयालम सिनेमा में महिलाओं द्वारा कथित उत्पीड़न और शोषण का सामना किये जाने को लेकर हाल ही में जारी न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे पर केएफपीए सहित फिल्म संगठनों की चुप्पी पर सवाल उठाया था। संघ ने थॉमस के विचारों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

केएफपीए की कार्यकारी समिति की 28 अक्टूबर को बुलाई गई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि थॉमस लगातार अनुशासन का उल्लंघन कर रही हैं और समिति के सदस्यों के खिलाफ निराधार आरोप लगा रही हैं। केएफपीए ने थॉमस को हाल में लिखे पत्र में कारण बताओ नोटिस पर उनके जवाब को भी संतोषजनक नहीं पाया था। केएफपीए सचिव बी राजेश ने 28 अक्टूबर को जारी एक पत्र में बताया, इसलिए सैंड्रा थॉमस प्रोडक्शंस और फर्म का प्रतिनिधित्व करने वाली व्यक्ति के रूप में आपकी सदस्यता रद्द करने का निर्णय लिया गया है। यह पत्र मंगलवार को सार्वजनिक हुआ।

थॉमस ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए संवाददाताओं से कहा कि विस्तृत स्पष्टीकरण देने के बावजूद उन्हें संघ ने निष्कासित कर दिया। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, न्यायमूर्ति हेमा कमेटी की रिपोर्ट जारी होने के बाद कई महिलाएं खुलासे कर रही हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने (फिल्म संघ ने) ऐसी सभी महिलाओं को चुप कराने के इरादे से मुझे निष्कासित किया है।

थॉमस ने कहा कि अगर उनके जैसे निर्माता का अनुभव ऐसा है तो ऐसे तकनीशियन या कलाकार की क्या स्थिति होगी जो शिकायत लेकर ऐसे संगठनों के पास जाता है। उन्होंने हाल में फिल्म संघ के नौ पदाधिकारियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स : पहले दौर में एरिगैसी का सामना गुजराती से

चेन्नई। दुनिया के चौथे नंबर के भारतीय ग्रैंडमास्टर और शीर्ष वरीय अर्जुन एरिगैसी चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरुआत हमवतन विदित गुजराती के खिलाफ करेंगे। एरिगैसी 2800 ईएलओ रेटिंग अंक को पार करने के बाद भारत में पहली बार खेलेंगे। आठ खिलाड़ियों के बीच होने वाली इस क्लासिकल प्रतियोगिता के शुरुआती दौर में अरविंद चिदंबरम का सामना ईरान के अमीन ताबाताबेई से, वाचिएर लाग्रेव मैक्सिम का सामना मघसूदलू परम से और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर लेवोन एरोनियन का सामना एलेक्सी शिरोव से होगा। सात दौर के इस टूर्नामेंट में इस बार चैलेंजर्स प्रतियोगिता भी होगी जिसमें पहली बार महिला खिलाड़ी भी भाग लेंगी। भारत की तरफ से इसमें हरिका द्रोणावल्ली और वैशाली रमेशबाबू अपनी चुनौती पेश करेंगी। पिछली बार के चैंपियन डी गुकेश इस साल की प्रतियोगिता में भाग नहीं लेंगे क्योंकि वह चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं।

भारी मात्रा में नकली एसकेएफ बियरिंग्स व अन्य उत्पाद जब्त, चार गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नकली उत्पादों के बढ़ते खतरे से निपटने और भारत में एक प्रमुख ब्रांड एसकेएफ बियरिंग्स के सम्मानित ब्रांड मूल्य की रक्षा करने के लिए ब्रांड के मालिक की सहायता से पुलिस द्वारा चेन्नई में छापेमारी की गई। इस छापेमारी का उद्देश्य शहर भर में नकली सामानों के चलन को रोकना था। चेन्नई के विभिन्न क्षेत्रों में चार स्थानों पर छापेमारी की गई। शहर के नवकार ट्रेडिंग कंपनी, हीरा बियरिंग्स, दि बियरिंग सेल्स कंपनी, न्यू सदर्न बियरिंग और चेन्नई बियरिंग सेंटर में चेन्नई पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस ने हरीश कुमार, केजे एंथनी, के.मोहन राव और जे अब्दुल मजीद नामक चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

एसकेएफ बियरिंग्स एक अग्रणी ब्रांड है और इसकी बेहतर गुणवत्ता के कारण इन उत्पादों की भारत में अच्छी मांग है। आरोपी चेन्नई और उसके आस-पास के इलाकों में उपभोक्ताओं को नकली बियरिंग बेचते पाए गए। इन दुकानदारों के पास से 3000 से ज़्यादा नकली बियरिंग और करीब 400 आउटर बॉक्स शीट्स मौजूद थीं। छापेमारी करने वाली टीम में कानून प्रवर्तन अधिकारी और एसकेएफ कम्पनी के प्रतिनिधि शामिल थे, जिन्होंने नकली सामान की सफलतापूर्वक पहचान की। आरोपियों के खिलाफ़ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कुआलालंपुर में मलेशिया की संसद के अध्यक्ष जौहरी अब्दुल से तमिलनाडु विधान सभा अध्यक्ष ने मुलाकात की। इस मौके पर मलेशिया के उपमंत्री कुलशेखरन, मलेशिया में भारतीय वाणिज्य दूतावास अधिकारी और तमिलनाडु विधान सभा सचिवालय के अतिरिक्त सचिव भी उपस्थित रहे।

गोविंद सिंह डोटासरा ने पेपरलीक करवाकर बनाए पैसे, कब जेल चले जाएं पता नहीं : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा उप चुनाव के दौरान मंगलवार को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के आक्रामक तेवर देखे गए। उन्होंने कांग्रेस पर ताबड़तोड़ हमला बोला। पत्रकार वार्ता के दौरान दिलावर ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर पेपर लीक करवा कर पैसे बटोरने का आरोप भी लगाया। दिलावर बोले कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा ने पेपर आउट कर, जितना बनाना था उतना माल बना लिया। अब इसकी जांच चल रही है, कब अंदर चले जाएं कोई पता नहीं। उन्होने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश में बजरी माफिया को संरक्षण दिया, सभी मंत्री विधायकों को लूटने की पूरी छूट दी। अब ऐसे लोग कब शिकंजे में आ जाएं कोई पता नहीं। दिलावर ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद लोगों को भ्रष्टाचार से मुक्ति मिली है। ऐसे में चुनाव में सातों सीट बीजेपी जीतेगी।

दिलावर ने कहा कि कांग्रेस घोटाला करने वालों वालों का सबसे बड़ा समूह है, जो देश के साथ धोखाधड़ी करता आया है। लेकिन कांग्रेस नेताओं को को यह नहीं दिख रहा, आंखों पर आंखों पर पट्टी बांधकर घूमते हैं। पेपर आउट करने और पैसे लेने की ही सोचते हैं। आरपीएससी के मेंबर और मंत्री का दर्जन रखने वालों सबको हमने जेल भेज दिया। जबकि ऐसा करने वालों की कांग्रेस ने कभी निंदा नहीं की। उनको महिमा मंडित करने की कोशिश कर रहे हैं। अब तिलमिल रहे हैं, तड़प रहे हैं बिललबिला रहे हैं। भ्रष्टाचार का जो माल आता था अब नहीं आ रहा है। मानोरोगी रात को जैसे बड़बड़ता है, वैसे ही बड़बड़ा रहे हैं।

दिलावर ने कहा कि कांग्रेस ऐसे लोगों का समूह है जो आतंकवादियों को प्रश्रय देता है। राहुल गांधी पर भी हमला बोला और कहा कि बटाला हाउस में आतंकवादियों को मारा गया, तो राहुल ने कहा कि मेरी मां को रात भर नींद नहीं आई। उसके रातभर आंसू टपकते रहे। आतंकवादियों को फांसी की सजा दी गई तो, उन्हें माफी देने की मांग भी कांग्रेस ने ही की। गोधरा कांड में राम भक्तों के हत्यारों को महिमा मंडित करने का कांग्रेस ने पूरा प्रयास किया है, यह हत्यारों को भी प्रश्रय देती है।

दिलावर ने कहा कि चुनाव के दौरान दोनों ही पार्टियों का राजनीतिक चरित्र जनता के सामने है। कांग्रेस ने देश का और देश की सेना का बहुत अपमान किया है। राष्ट्र के आराध्य देव भगवान श्रीराम का भी अपमान किया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में शपथ पत्र दिया था कि भगवान राम का कोई अस्तित्व ही नहीं है, यह कपोल कल्पित है। ऐसा कहकर कांग्रेस ने धर्म ग्रंथों को झूठा साबित कर दिया।

हमारे पूर्वज भगवान राम का नाम लेते-लेते स्वर्ग सिधार गए, उन्हें भी झूठा साबित कर दिया है। लेकिन पूरा देश झूठा नहीं हो सकता। हमारे देश की सेना हमारी सुरक्षा करती है। उसके बिना हम स्वतंत्रता की सांस नहीं ले सकते। लेकिन सेना की सुरक्षा के बारे में कांग्रेस ने कभी सोचा भी नहीं कि उनका भी सुरक्षा कवच होना चाहिए। हमारे सैनिकों को नुकसान नहीं पहुंचे इसके लिए हमारे पीएम नरेंद्र मोदी ने बीड़ा उठाया है। बुलेट प्रुफ हेलमेट व जैकेट उपलब्ध कराए हैं।

जेजेएम घोटाला : एसीबी ने पूर्व मंत्री जोशी सहित 23 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाले के सिलसिले में पूर्व मंत्री महेश जोशी, अधिकारियों और ठेकेदारों सहित 23 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एसीबी के महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा ने कहा कि प्राथमिकी दो-तीन दिन पहले दर्ज की गई थी। अधिकारी ने मंगलवार को 'पीटीआई भाषा' को बताया, जल जीवन मिशन घोटाले में पूर्व मंत्री महेश जोशी तथा अधिकारियों और ठेकेदारों सहित 23 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री पर पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत अनुमति मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई।

जोशी पिछली कांग्रेस सरकार में लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) के कैबिनेट मंत्री थे। केंद्र सरकार के जल जीवन मिशन (जेजेएम) का उद्देश्य घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है और इसे राजस्थान में पीएचईडी द्वारा लागू किया जा रहा है। प्रवर्तन निदेशालय ईडी भी राजस्थान में जेजेएम के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले की जांच कर रहा है। ईडी ने इस मामले में जोशी के परिसरों सहित कई स्थानों पर तलाशी ली थी और एक कथित बिचौलिए व कुछ ठेकेदारों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

उपचुनाव के लिए प्रचार करने पहुंचीं दीया कुमारी

जयपुर। डिप्टी सीएम दीया कुमारी झुंझुनू विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार करने पहुंची है। वे झुंझुनू जिला सीमा पर पहुंची, जहां उनका भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। 12:30 बजे झुंझुनू नगर मण्डल कार्यकर्ताओ द्वारा स्वागत किया गया।

चावों वीरों सती मंदिर मे एक बजे समाज के प्रबुद्ध कार्यकर्ताओ की सभा हुई। विधानसभा कार्यालय झुंझुनू में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक हुई। इसके बाद वह वापस आ जाएगी।

मुख्य सचिव ने 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट सम्मिट के लिए गठित कार्यसमितियों की प्रगति की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट सम्मिट 2024 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव सुधांश पंत ने मंगलवार को पर्यटन, सामान्य प्रशासन, नगरीय विकास विभाग और सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय (डीआईपीआर) को निर्देश दिए कि वे 9 से 11 दिसंबर तक जयपुर में होने वाले इस इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के सुव्यवस्थित और सफल आयोजन के लिए हरसंभव प्रयास करें। समिट के महत्व पर जोर देते हुए पंत ने कहा कि यह आयोजन राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसलिए, सभी विभागों को इसकी सफलता सुनिश्चित करनी चाहिए। इस सम्मिट के तहत राजधानी जयपुर के सौंदर्यीकरण, मीडिया एवं प्रचार तथा ब्रांडिंग, राजकीय अतिथियों के लिए प्रोटोकॉल एवं आवास, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पर्यटन और अन्य व्यवस्थाओं पर गठित समितियों द्वारा की गई प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव पंत ने कहा कि राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 में अब केवल एक ही महीना बचा है और इस दौरान, सभी संबंधित विभागों को इस आयोजन के सुव्यवस्थित क्रियान्वयन पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

इस आयोजन में शामिल होने वाले प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और संभावित निवेशकों की उपस्थिति के मद्देनजर जयपुर को अपने बेहतरीन स्वरूप में प्रस्तुत करने के महत्व पर भी जोर देते हुए मुख्य सचिव पंत ने पर्यटन और नगरीय विकास विभागों को ऐसा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में पंत ने कहा कि इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान सभी स्मारकों और सार्वजनिक स्थानों का प्रबंधन उच्चतम मानकों पर होना चाहिए और जयपुर शहर के अंदर की व्यवस्था बेहतरीन होनी चाहिए। इस उच्चस्तरीय बैठक में 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत राजधानी जयपुर के सौंदर्यीकरण, मीडिया एवं प्रचार तथा ब्रांडिंग, राजकीय अतिथियों के लिए प्रोटोकॉल एवं आवास, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पर्यटन और अन्य व्यवस्थाओं पर गठित समितियों ने अपने-अपने कार्यों का अपडेट देते हुए हाल के महीनों में उठाए गए कदमों की जानकारी दी और कामों की प्रगति को साझा किया।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि उनकी सभी गतिविधियां समन्वित होनी चाहिए तथा इस तीन दिवसीय प्रतिष्ठित कार्यक्रम के आयोजन हेतु उच्चतम मानकों का पालन किया जाना चाहिए।

पूर्व मंत्री महेश जोशी पर एसीबी ने दर्ज की एफआईआर, गहलोत शासन पर खड़े हुए सवाल

जयपुर। राजस्थान की राजनीति में एक नया मोड़ तब आया जब पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी के खिलाफ जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर एसीबी ने मामला दर्ज कर लिया। इस घोटाले में जोशी समेत 22 अन्य लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज हुई है, और अब इस मामले ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के लिए एक बड़ा सिरदर्द खड़ा कर दिया है। एसीबी ने यह साफ कर दिया है कि महेश जोशी से जल्द ही पूछताछ की जाएगी, और साथ ही विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की भूमिका की सख्त जांच की जाएगी।

इस मामले ने न केवल पूर्व मंत्री को संकट में डाल दिया है, बल्कि गहलोत सरकार के शासन पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। इसे किरोड़ी लाल मीणा के लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष का परिणाम माना जा रहा है। मीणा ने पहले भी गहलोत सरकार पर आरोप लगाते हुए जल जीवन मिशन में कथित भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया था। जब पुलिस ने उनकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं की तो वे अशोक नगर पुलिस थाने के बाहर धरने पर बैठ गए थे। इसके बाद 22 जून 2023 को उन्हें हिरासत में लिया गया, लेकिन वे लगातार इस मुद्दे पर मुखर रहे और इसे राजनीति का प्रमुख मुद्दा बना दिया।

खानों के संकट पर नेता प्रतिपक्ष ने सरकार को घेरा, बोले-इनके बंद होने के जिम्मेदार मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा है कि प्रदेश की खानों पर छाए संकट से केन्द्र व राज्य की कथित डबल इंजन सरकार की पोल खुल गयी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 23 हजार खानें बंद होने और इससे जुड़े 15 लाख लोगों के रोजगार छिनने की स्थिति के लिए ये दोनों सरकारें जिम्मेदार हैं। आठ नवंबर से इन खानों पर स्वत: ताले लग जाएंगे। इसके लिए मुख्यमंत्री स्वयं जिम्मेदार होंगे।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने प्रदेश की 23 हजार खानों के एनवायरमेंट क्लियरेंस की एनओसी के लिए जारी करने के लिए 07 नवंबर 2024 की अंतिम तिथि घोषित कर रखी है, लेकिन प्रदेश में राज्यस्तरीय पर्यावरण कमेटी नहीं होने से यह काम अटक गया है। राज्य सरकार ने नयी कमेटी के गठन के लिए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय को प्रस्ताव भेज रखा है, लेकिन उसने अभी तक इस कमेटी के गठन की स्वीकृति नहीं दी है और साथ ही एनजीटी ने 7 नवंबर की अंतिम तिथि को बढ़ाये जाने से भी इंकार कर दिया है। जूली ने कहा कि अगर केन्द्र व राज्य सरकार में इतने अहम मसले पर भी समन्वय नहीं है, तो फिर 'डबल इंजन सरकार' के क्या मायने हैं। यह शब्द लोगों को लुभाने के लिए भाजपा का सिर्फ़ एक जुमला भर है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदेश में 35 हजार खानें हैं।

इसमें माइनर मिनरल और क्वारी लाइसेंस धारकों की 23 हजार खानें बंद होने की नौबत के लिए राज्य सरकार की उदासीनता जिम्मेदार है। छह महीने पहले भी प्रदेश में यह स्थिति बनी थी, लेकिन तब यह अवधि आगे बढ़ गयी थी, लेकिन पिछले छह महीने में राज्य सरकार ने 12 हजार आवेदकों में से सिर्फ़ एक हजार आवेदकों को एनओसी जारी की गई और अक्टूबर महीने में राज्यस्तरीय पर्यावरण कमेटी का कार्यकाल पूरा हो गया। वहीं, अन्य बारह हजार खान मालिक तो आवेदन करने से भी वंचित रहे और अब नई कमेटी के लिए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय अधिसूचना जारी नहीं कर रहा है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि खनिज अर्थव्यवस्था प्रदेश के उद्योग एवं व्यापार जगत की धुरी है। एक तरफ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 'राइजिंग राजस्थान' को लेकर विदेशी निवेश के लंबे-चौड़े दावे कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश में 23 हजार खानों के बंद होने और 15 लाख लोगों की रोजी-रोटी पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। जूली ने कहा कि सवाल उठता है या तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को अधिकारी प्रदेश में क्या चल रहा है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं देते हैं या फिर मुख्यमंत्री इतने कमजोर हैं कि वे राज्य के हितों की रक्षा करने की आवाज़ केन्द्र सरकार के सामने उठा ही नहीं पाते हैं।

समृद्ध विरासत और परम्पराओं का प्रदेश है राजस्थान : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी चार देशों की यात्रा के दौरान मंगलवार को सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) पहुंचे। देवनानी का सिडनी पहुंचने पर अधिकारियों ने स्वागत किया। देवनानी ने सिडनी में आयोजित भारत रीजन के 67वें राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के सम्मेलन की डेलीगेट ब्रीफिंग में भाग लिया। देवनानी ने सम्मेलन में मौजूद उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, कर्नाटक, तमिलनाडू सहित भारत के विभिन्न प्रदेशों के विधान सभा अध्यक्षगण और सांसदगण से मुलाकात की।

इस मौके पर देवनानी ने कहा कि राजस्थान प्रदेश अपनी समृद्ध विरासत, परम्पराओं और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। जयपुर के महल, उदयपुर की झीलें और जोधपुर, बीकानेर व जैसलमेर के भव्य दुर्ग देशी तथा विदेशी सैलानियों के लिए पसंदीदा स्थान है। राज्य के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने के लिए प्रति दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते है।

देवनानी इस अध्ययन यात्रा के दौरान विभिन्न देशों के विधायी निकायों का अवलोकन करने के साथ संसदीय प्रतिनिधिगण से लोकतांत्रिक मूल्यों के सुदृढीकरण से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रति वर्ष आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में विभिन्न राज्यों की विधान सभाओं के अध्यक्षगण एक मंच पर एकत्रित होकर लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न विषयों पर संवाद करते है। इस बार का राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ का सम्मेलन आस्ट्रेलिया में 5 से 8 नवम्बर तक हो रहा है। संसदीय संघ का यह 67वां सम्मेलन है। इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए अध्यक्ष देवनानी के साथ विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा भी गये है।

उपचुनाव में बेनीवाल, ओला, जुबैर एवं अमृतलाल परिवार का तय होगा राजनीतिक भविष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में आगामी तेरह नवंबर को होने वाले सात विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में चुनाव सभाओं का दौर शुरु होने से माहौल परवान चढ़ने लगा हैं और इस बार इसमें नागौर जिले की खींवसर विधानसभा क्षेत्र में सांसद हनुमान बेनीवाल, झुंझुनूं से सांसद बृजेन्द्र ओला, रामगढ़ से पूर्व विधायक जुबैर खान परिवार तथा चौरासी में सांसद राजकुमार रोत की भारत आदिवासी पार्टी (बाप) तथा दौसा एवं देवली-उनियारा में कांग्रेस को अपने राजनीतिक दबदबे को बरकरार रखने के लिए कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है वहीं यह उपचुनाव बेनीवाल, ओला, जुबैर खान एवं सलूंबर से पूर्व विधायक अमृतलाल मीणा परिवार का राजनीतिक भविष्य भी तय करेगा।

हालांकि इस उपचुनाव में सलंबूर विधानसभा क्षेत्र में पूर्व विधायक अमृतलाल मीणा परिवार को अपना राजनीतिक दबदबा बनाये रखने में कड़ी चुनौती कम नजर आ रही है क्योंकि संलूबर से टिकट नहीं मिलने पर नाराज हुए नरेन्द्र मीणा को मना लिया गया हैं वहीं भाजपा के सामने कांग्रेस की उम्मीदवार रेशमा मीणा, बाप का प्रत्याशी जितेश कुमार कटारा, सीपीआई (एमएल) (एल) का शंकर लाल मीणा के चुनाव मैदान होने से मतों के विभाजन से इसका फायदा भाजपा प्रत्याशी को मिलने की संभावना है। वर्ष 2008 से अस्तित्व में आई और इस बार की सबसे अधिक चर्चित खींवसर सीट पर इस बार भी बेनीवाल परिवार का सदस्य चुनाव लड़ रहा है और इस बार हनुमान बेनीवाल ने अपनी पत्नी कनिका बेनीवाल को चुनाव मैदान में उतारा है लेकिन उनका मुकाबला गत विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे रेवंतराम डांगा से है जिन्होंने पिछले चुनाव में मात्र करीब दो हजार मतों से ही चुनाव हार गये थे। उस समय बेनीवाल खुद ने चुनाव लड़ा और इस बार उनकी पत्नी चुनाव मैदान में हैं यह फर्क है। इसके अलावा इस बार मुख्यमंत्री भजन लाल की कुशल राजनीति के चलते क्षेत्र में नेता एवं विधानसभा चुनावों में दो बार दूसरे नंबर पर रहे दुर्ग सिंह चौहान को भाजपा में शामिल करने पर माहौल भाजपा के पक्ष में करने में मदद मिल सकती है।

इस बार तो बेनीवाल खुद ही अपने भाषणों में कहने लग गये हैं कि इस चुनाव से भाजपा के तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा लेकिन उनकी पार्टी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) हार गई तो उनकी चौबीस साल की राजनीतिक प्रतिष्ठा दांव पर लग जायेगी। उधर पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा ने बेनीवाल पर तंज कसते हुए कहा है कि इस बार चुनाव में खींवसर में हालात खराब है। जाट बहुल खींवसर में रालोपा, भाजपा एवं कांग्रेस तीनों ही पार्टियों के उम्मीदवार जाट समाज से हैं, ऐसे में मतों का बंटवारा होना भी चुनाव परिणाम पर असर डालेगा।

इसके अलावा इससे पहले बेनीवाल ने भाजपा एवं निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में चुनाव लड़ा और भाजपा के साथ गठबंधन से अपने भाई नारायण बेनीवाल को उपचुनाव में जीत भी दिलाई और एक बार भाजपा एवं एक बार कांग्रेस के साथ गठबंधन करके खुद दो बार नागौर के सांसद भी बने। लेकिन इस बार उपचुनाव में उनका किसी पार्टी के साथ गठबंधन भी नहीं हैं। भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम पहले बेनीवाल के साथ ही हुआ करते थे और अब वह भाजपा में डबल इंजन की सरकार के साथ कडी से कड़ी जोड़ने की बात कर रहे हैं। इन सारी परिस्थितियों के मद्देनजर इस बार बेनीवाल परिवार को खींवसर में अपनी चुनाव प्रतिष्ठा बचाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है।

इसी तरह झुंझुनूं में वर्ष 2008 से लगातार अपना राजनीतिक दबदबा बनाये रखने वाले बृजेन्द्र ओला ने इस बार उपचुनाव में अपने बेटे अमित ओला को चुनाव मैदान में उतारा है लेकिन पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय मंत्री रहे राजेन्द्र सिंह गुढ़ा ने निर्दलीय चुनाव लड़ने से ओला परिवार को इस बार चुनाव प्रतिष्ठा को बरकरार रखने में कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है। इस चुनाव में भाजपा ने राजेन्द्र भांबू को चुनाव मैदान में उतारा हैं। भाजपा के बागी बबलू चौधरी को मना लेने से भांबू के लिए कुछ परिस्थितियां आसान होती नजर आ रही है। बृजेन्द्र ओला वर्तमान में झुंझुनूं से सांसद है लेकिन विधानसभा उपचुनाव नहीं जीत पाने पर इसका उनकी राजनीतिक प्रतिष्ठा पर प्रभाव पड़ेगा और इसका असर भविष्य के चुनाव में दिखेगा।

इसी तरह रामगढ़ से चार बार विधायक रहे जुबैर खान के परिवार से उपचुनाव में इस बार उनके निधन के बाद उनके बेटे आर्यन जुबैर खान को कांग्रेस ने चुनाव मैदान में उतारकर सहानूभूति कार्ड खेला है लेकिन भाजपा ने पिछले चुनाव में दूसरे स्थान पर रहे सुखवंत सिंह को चुनाव मैदान में उतारा हैं। हालांकि पिछली बार चुनाव में तीसरे स्थान पर रहे जय आहूजा नाराज हो गए लेकिन उन्हें मना लिया गया। इससे रामगढ़ में जुबैर परिवार के लिए राजनीतिक प्रतिष्ठा बनाये रखने के लिए कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है।

चौरासी विधानसभा क्षेत्र में सांसद राजकुमार रोत की भी चुनाव प्रतिष्ठा दांव पर हैं और उनकी पार्टी के प्रत्याशी अनिल कुमार कटारा को भी बाप की चीखली से प्रधान शर्मिला के पति बादामी लाल के चुनाव मैदान में बागी होकर उतरने से कड़ी चुनौती मिल सकती है। उपचुनाव में भाजपा ने कारी लाल निनोमा को जबकि कांग्रेस ने महेश रोत को चुनाव मैदान में उतारा है।

उत्तर प्रदेश की तरह झारखंड में भी माफिया के सफाए के लिए भाजपा को सत्ता में लाएं : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले गठबंधन पर माफियाओं को 'संरक्षण' देने का आरोप लगाया और लोगों से अनुरोध किया कि वे उनका 'बुलडोजर' से सफाया कराने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट दें।

आदित्यनाथ ने दावा किया कि माफियाओं के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई उनके गृह राज्य उत्तर प्रदेश में की जा रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा ही है जो लोगों की ''सुरक्षा और रक्षा'' की गारंटी दे सकती है। उन्होंने कोडरमा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, झामुमो के नेतृत्व वाला गठबंधन झारखंड में भूमि, रेत, वन, खनन और शराब जैसे क्षेत्रों में माफिया को संरक्षण दे रहा है... उत्तर प्रदेश की तरह झारखंड में भी माफिया को खत्म करने के लिए भारतीय जनता पार्टी को सत्ता में लाएं।

आदित्यनाथ ने यह भी आरोप लगाया, जिस तरह औरंगजेब ने देश की संपत्ति लूटी और मंदिरों को नष्ट किया, उसी तरह झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन और आलमगीर आलम सहित उसके मंत्रियों ने झारखंड के लोगों को लूटा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ही ''एकमात्र'' ऐसी पार्टी है जो ''देश की सुरक्षा और गौरव, महिला सशक्तिकरण और युवाओं को रोजगार की गारंटी'' दे सकती है। आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में ''बाधा उत्पन्न करने'' का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, राम लला अब 500 वर्षों के बाद उस मंदिर में विराजमान हैं और राम मंदिर की प्रतिष्ठा ने मथुरा और अन्य मंदिरों

के लिए मार्ग प्रशस्त कर दिया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी 'सबका साथ, सबका विकास' में विश्वास करते हैं और भाजपा 'जाति, पंथ, धर्म, भाषा या लिंग के आधार पर लोगों के साथ कभी भेदभाव नहीं करती'। योगी ने कहा कि भाजपा, देश की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं करती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पहले भारत को धमकाता था लेकिन अब मोदी शासन के दौरान पड़ोसी मुल्क संयुक्त राष्ट्र में दावा करता है कि भारत उसके लिए खतरा बन गया है। आदित्यनाथ ने दावा किया, कांग्रेस शासन के दौरान भारतीय क्षेत्र में घुसने वाली चीनी सेना अब पीछे हट रही है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटा दिया। योगी ने झारखंड में रैली को संबोधित करते हुए कहा, आपने हरियाणा चुनाव के नतीजे देखे होंगे। भाजपा को बहुमत मिला। कांग्रेस बुरी तरह हारी। यह सब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकास, सुरक्षा और सुशासन के आश्वासन के कारण संभव हुआ। मैं आपसे अपील करता हूं कि यहां तेजी से सर्वांगीण विकास के लिए 'डबल इंजन' वाली सरकार लाएं। हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 48 और कांग्रेस ने 37 सीट पर जीत दर्ज की। 'डबल इंजन' शब्द का इस्तेमाल भाजपा नेता केंद्र और राज्य दोनों जगह पार्टी के सत्ता में रहने के लिए करते हैं।

योगी, कोडरमा से भाजपा उम्मीदवार नीरा यादव और बरकट्ठा से अमित यादव के लिए प्रचार कर रहे थे। झारखंड में 81 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होंगे, जबकि मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

भाजपा ने अपने उम्मीदवारों के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले 30 नेताओं को निष्कासित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने झारखंड में विभिन्न सीटों पर अपने प्रत्याशियों के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले 30 नेताओं को मंगलवार को पार्टी से निष्कासित कर दिया। पार्टी ने एक बयान में यह जानकारी दी। भाजपा के सभी बागी नेताओं को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया गया है।

बयान में कहा गया है, भाजपा की नीतियों का उल्लंघन करके अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ नामांकन दाखिल करने और चुनाव लड़ने के कारण 30 नेताओं को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। पार्टी से निकाले गए नेताओं में चंद्रमा कुमारी (पलामी), कुमकुम देवी (हजारीबाग), जूली देवी (दुमका), बलवंत सिंह (लातेहार), अरविंद सिंह (खरस्वां), बांके बिहारी (हजारीबाग), चितरंजन साव (बोकारो) और हजारी प्रसाद साहू शामिल हैं। झारखंड की 81 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए 13 और 20 नवंबर को दो चरण में मतदान होगा। मतगणना 23 नवंबर को होगी।

झामुमो नीत गठबंधन है फुस्स पटाखा, भाजपा है शक्तिशाली रॉकेट : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले गठबंधन को दीपावली के ''फुस्स पटाखे'' करार देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा शक्तिशाली रॉकेट है जो झारखंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

सिंह ने रांची के हटिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रस्तावक रहे मंडल मुर्मू के झामुमो के ''डूबते जहाज'' को छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि राज्य में कौन सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा, दीपावली का त्योहार अभी-अभी संपन्न हुआ है। झामुमो, कांग्रेस और राजद अब दीपावली के फुस्स पटाखे हैं। भाजपा एक शक्तिशाली रॉकेट है जो अकेले ही झारखंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। राज्य की सत्ताधारी पार्टी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर कटाक्ष करते हुए सिंह ने कहा कि 'जेएमएम' (झामुमो) का मतलब ''जमकर मलाई मारो'' है। उन्होंने आरोप लगाया कि झामुमो ''आदिवासियों का खून चूसता है'' और उनके हितों के खिलाफ काम करता है। सिंह ने कहा, मैं हेमंत सोरेन से पूछता हूं कि घुसपैठिए झारखंड में क्यों आ रहे हैं? राज्य की आदिवासी आबादी घटकर 28 फीसदी क्यों रह गई?'' उन्होंने कहा, हम घुसपैठ पर नियंत्रण लगाएंगे और घुसपैठियों द्वारा हड़पी गई जमीन वापस दिलाएंगे।

नए आपराधिक कानून समकालीन समाज की चुनौतियों और आशा के अनुरूप हैं: बिरला

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि तीनों नए आपराधिक कानून समकालीन समाज की चुनौतियों और आशा के अनुरूप हैं। बिरला ने नए आपराधिक कानूनों पर संवैधानिक तथा संसदीय अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में 83 देशों के 135 प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत ने हमेशा अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान किया है और मानवाधिकारों का प्रबल पक्षधर रहा है। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी और अपराधों के स्वरूप में आए बदलावों के अनुरूप इन कानूनों का निर्माण किया गया है।

उनका कहना था कि नए आपराधिक कानून समकालीन समाज की चुनौतियों और आशा के अनुरूप हैं। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) इसी साल एक जुलाई को लागू हुए। इन्होंने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है। बिरला ने कहा कि भारत का कानून अंतिम व्यक्ति को न्याय का अधिकार देता है और आम जनता न्यायाधीश को भगवान के रूप में देखती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत न्याय पर जनता का अति विश्वास है, जो 75 वर्षों की यात्रा में और अधिक मज़बूत हुआ है। लोकसभा अध्यक्ष ने कार्यक्रम में भाग ले रहे भारत में कार्यरत विभिन्न देशों के राजनयिकों को सुझाव दिया कि वे भारत के कानूनी ढांचे, संसद की कार्यवाही और भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ रखें।

भारतीय खिलाड़ियों ने एशिया पिकलबॉल खेलों में पांच स्वर्ण सहित 14 पदक जीते

मुंबई/भाषा। भारतीय खिलाड़ियों ने हाल ही में ताइवान में आयोजित एशिया पिकलबॉल खेलों में पांच स्वर्ण, चार रजत और पांच कांस्य सहित कुल 14 पदक जीते। नितीन कीर्तने ने 50+ ओपन पुरुष एकल में स्वर्ण पदक जीता जबकि विशाल जाधव ने 35+ ओपन पुरुष एकल में रजत पदक हासिल किया। खुशी सचदेवा और श्रद्धा दमानी क्रमशः 4.0 वर्ग में 19+ और 35+ महिला एकल में रजत पदक अपने नाम करने में सफल रहे, जबकि संदीप तावड़े ने 4.0 वर्ग में 50+ पुरुष एकल में दूसरा स्थान हासिल किया। कीर्तने और तावड़े की जोड़ी ने 50+ ओपन पुरुष युगल में स्वर्ण पदक जीता। वंशिक कपाड़िया और तेजस महाजन ने 19+ ओपन पुरुष युगल में शीर्ष स्थान हासिल किया। कपाड़िया और वृषाली ठाकरे ने भी 19+ ओपन मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता, जबकि जाधव और ईशा लखानी ने 35+ ओपन मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता। अभिषेक देथन (35+ पुरुष एकल में 4.0), जोहानन फर्नांडीस (35+ ओपन महिला एकल), ठाकरे और सचदेवा की जोड़ी (19+ ओपन महिला युगल), दमानी और फर्नांडीस की जोड़ी (35+ महिला युगल 4.0) और चेतन सानिल और तावड़े की जोड़ी (50+ पुरुष युगल 4.0) ने देश के लिए कांस्य पदक जीते।

निर्धारित समय से इतर रथयात्रा का आयोजन नहीं करे इस्कॉन : गजपति महाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के पुरी राजघराने के वंशज गजपति महाराज दिव्यसिंह देब ने कहा कि इस्कॉन को निर्धारित समय से इतर दुनिया में कहीं भी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का आयोजन नहीं करना चाहिए।

पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष देव ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस्कॉन (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉनशियस्नेस) को शास्त्रों और परंपरा का पालन करते हुए अनुष्ठान करना चाहिए। निर्धारित समय से इतर रथयात्रा

का मुद्दा हाल ही में तब सामने आया जब अमेरिका में इस्कॉन की ह्यूस्टन इकाई ने नवंबर में त्योहार मनाने का फैसला किया, जो पुरी के मंदिर की सामान्य परंपरा से हटकर है। पुरी में रथ यात्रा तय तिथि पर जुलाई में निकाली गई थी।

देब ने कहा, अब बहुत हो गया। इस्कॉन दशकों से निर्धारित समय से इतर रथयात्रा का आयोजन करता आ रहा है। इस संबंध में अंतिम निर्णय लेने के लिए हम मार्च तक इसके शासी निकाय की बैठक का इंतजार करेंगे। अगर वे परंपरा से हटते हैं, तो हम कानूनी सहायता लेने के लिए मजबूर होंगे। गजपति महाराज ने कहा कि नौ नवंबर को ह्यूस्टन में रथयात्रा आयोजित करने के इस्कॉन के कदम से दुनिया भर में भगवान जगन्नाथ के करोड़ों भक्तों को ठेस पहुंची है। देब ने कहा,''लुधियाना में अक्टूबर 2007 में और इसी साल दिसंबर में दिल्ली में भी (इस्कॉन द्वारा) रथ यात्राएं आयोजित की गईं। लगातार प्रयास और संवाद के कारण जुलाई, 2021 के बाद से भारत में ऐसी असामयिक रथ यात्राएं आयोजित नहीं की गईं।

झारखंड चुनाव : 'इंडि' गठबंधन ने घोषणापत्र में गरीबों के लिए 10 लाख नौकरियों का वादा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' (इंडि) ने आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को अपना घोषणापत्र जारी कर दिया जिसमें युवाओं के लिए 10 लाख नौकरियां और गरीबों के लिए 15 लाख रुपए तक के स्वास्थ्य बीमा कवरेज का वादा किया गया है।

'इंडि' गठबंधन के चुनाव घोषणापत्र में '7 गारंटी' शामिल हैं जिनमें सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण को अनुसूचित जनजातियों के लिए 26% से बढ़ा 28%, अनुसूचित जाति के लिए 10% से बढ़ाकर 12% करने और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 14% से बढ़ाकर 28% करने की बात कही गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राजद के जेपी यादव के साथ संयुक्त रूप से घोषणापत्र जारी करते हुए कहा, इंडिया गठबंधन युवाओं के लिए 10 लाख नौकरियां और गरीबों के वास्ते 15 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा सुनिश्चित करेगा। खरगे ने कहा, जब भी हम किसी गारंटी की बात करते हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तुरंत इसकी आलोचना करते हैं...प्रधानमंत्री मोदी यहां आए और अपने भाषण के दौरान उन्होंने मेरा नाम लिया और कहा कि कांग्रेस की गारंटियों की कोई विश्वसनीयता नहीं है...कांग्रेस अपनी सभी गारंटियां पूरी करती है लेकिन मोदी की गारंटियां कभी पूरी नहीं होतीं।

सी-ग्रेड हिंदी फिल्म के खलनायक वाले संवाद प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देते : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा झारखंड में की गई एक टिप्पणी का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि उन्हें अपने पद की मर्यादा और इकबाल का ख्याल रखना चाहिए। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह दावा भी किया कि सी-ग्रेड हिंदी फिल्मों के खलनायक वाले संवाद प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देते।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को झारखंड की एक चुनावी सभा में सत्तारूढ़ गठबंधन पर तुष्टिकरण की नीति को चरम पर पहुंचाने का आरोप लगाया और उन्हें 'घुसपैठिया समर्थक' और 'माफिया का गुलाम' करार देते हुए कहा कि अगर उनकी यही 'कुनीति' जारी रही तो राज्य में आदिवासी समाज का दायरा सिकुड़ जाएगा। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार और परिवारवाद के मुद्दे पर भी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के गठबंधन को घेरा और दावा किया कि आज झारखंड में हर तरफ 'रोटी-बेटी-माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा-राजग की सरकार' की ही गूंज है। खेड़ा ने एक वीडियो जारी कर कहा, सर्दी धीरे धीरे बढ़ रही है। पारा

धीरे धीरे गिर रहा है। लेकिन प्रधानमंत्री की भाषा का स्तर बहुत तेज़ी से गिरता चला जा रहा है। लोकसभा चुनाव में भैंस, मटन, मछली, मंगलसूत्र, मुसलमान से शुरू हुए थे, अब झारखंड चुनाव में आते आते बेटी और रोटी तक आ गए। उन्होंने यह भी कहा, प्रधानमंत्री जी, आपका व्यक्तिगत सम्मान तो अब कुछ ज़्यादा बचा नहीं, अपनी कुर्सी का कुछ लिहाज़, कुछ इक़बाल तो बचा रहने दीजिए।

खेड़ा ने कहा, प्रधानमंत्री अब 'घुसपैठिया' सरकार की बात कर रहे हैं कि यह आपकी बेटियों और भोजन को छीन लेगी। लेकिन सीमा सुरक्षा तो उनके अधीन है और 10 साल से अधिक समय से सरकार में हैं। आप तो बीएसएफ, गृह मंत्री (अमित शाह), राजनाथ (रक्षा मंत्री) सिंह या आप अपनी विदेश नीति की आलोचना कर रहे हैं।

ऋण धोखाधड़ी: ईडी ने उप्र की दिवालिया कंपनी के खिलाफ पीएमएलए मामले में भूखंड कुर्क किए

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने कानपुर स्थित एक दिवालिया कंपनी के खिलाफ 7,300 करोड़ रुपए से अधिक के बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन (पीएमएलए) मामले में 73 हेक्टेयर कृषि भूमि कुर्क की है। जांच एजेंसी ने बयान में कहा कि श्री लक्ष्मी कॉटसिन लिमिटेड से संबंधित कुल 86 भूखंड कुर्क किए गए हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल 73.34 हेक्टेयर है।

बयान के मुताबिक, ये भूखंड छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में स्थित हैं, जिनकी कीमत 31.94 करोड़ रुपए है। इन्हें धन शोधन रोधक अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कुर्क किया गया है। इसमें कहा गया कि ये सभी संपत्तियां कंपनी, उसके भरोसेमंद कर्मचारियों और अन्य व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं। श्री लक्ष्मी कॉटसिन लिमिटेड, इसके चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक माता प्रसाद अग्रवाल, संयुक्त प्रबंध निदेशक पवन कुमार अग्रवाल, उप प्रबंध निदेशक देवेश नारायण गुप्ता और निदेशक शारदा अग्रवाल के खिलाफ 2021 में सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की थी।

केंद्र पूरे भारत में हरेकृष्ण महताब की 125वीं जयंती मनाएगा: ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को कहा कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार राज्य की हस्ती हरेकृष्ण महताब की 125वीं जयंती मनाने के लिए देश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगी।

माझी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में संबंधित निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, भारत सरकार ने उत्कल केशरी डॉ. हरेकृष्ण महताब की 125वीं जयंती को राष्ट्रीय उत्सव के रूप में आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह ओडिशा के महान राष्ट्रवादी नेता को एक महान श्रद्धांजलि और ओडिया अस्मिता का सम्मान है। अधिकारियों ने

बताया कि राज्य सरकार ने भी 'महताब जयंती' मनाने के लिए पूरे साल विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का भी फैसला किया है।

सरकार ने भद्रक जिले के अगरपाड़ा में महताब के जन्मस्थान पर उनकी प्रतिमा स्थापित करने और उनका स्मारक बनाने का भी निर्णय लिया।

उनके जीवन पर 23 से 25 नवंबर तक भुवनेश्वर में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की जाएगी।

'उत्कल केशरी' के नाम से मशहूर महताब का जन्म 21 नवंबर, 1899 को हुआ था। वह ओडिशा के पहले मुख्यमंत्री थे और केंद्रीय मंत्री भी थे।

तेजस्वी का मानहानि नोटिस 'धमकाने वाला कानूनी हथकंडा': जद(यू) नेता

पटना/भाषा। जनता दल(यूनाइटेड) प्रवक्ता नीरज कुमार ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर ''धमकाने वाले कानूनी हथकंडा'' के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। नीरज को ही में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने मानहानि का नोटिस भेजा था।

राज्य विधान परिषद के सदस्य और पूर्व मंत्री कुमार ने 24 अक्टूबर की तिथि वाले इस नोटिस का सोमवार को जवाब दिया और मंगलवार को इसकी प्रतियां मीडिया के साथ साझा की गईं। कुमार के अधिवक्ता ने छह पृष्ठों के जवाब में तर्क दिया है कि उनके मुवक्किल को दिए गए आठ पृष्ठों का नोटिस ''कुछ और नहीं बल्कि धमकाने का प्रयास है'' और ''आपके मुवक्किल द्वारा की गई अवैधताओं व अनियमितताओं को उजागर करने वालों को डराने एवं चुप कराने के लिए एक धमकाने वाली कानूनी रणनीति है। यादव ने जदयू नेता के इस आरोप पर आपत्ति जताई थी कि पूर्व उपमुख्यमंत्री ने चुनावी हलफनामे में अपनी आय कम बताई है।

गत चैम्पियन नोवाक जोकोविच चोट के कारण एटीपी फाइनल्स से हटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलग्रेड (सर्बिया)/एपी। नोवाक जोकोविच एटीपी फाइनल्स के अपने खिताब का बचाव नहीं करेंगे क्योंकि चोट के कारण उन्होंने मंगलवार को इस प्रतियोगिता से हटने की घोषणा की।

जोकोविच ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, मैं वास्तव में इसमें भाग लेने का इंतजार कर रहा था लेकिन चोट के कारण अगले सप्ताह नहीं खेल पाउंगा। मैं उन लोगों से माफी चाहता हूं जो इस आयोजन के दौरान मुझसे मिलने की योजना बना रहे थे। सत्र में आखिर में आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट रविवार से इटली के तूरिन में खेला जाएगा। जोकोविच ने रिकॉर्ड सात बार इस खिताब को जीता है। उन्होंने पिछले साल फाइनल में यानिक सिनर को हराया था। सिनर मौजूदा समय में शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी है। जोकोविच ने कहा, इसमें

भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को मेरी शुभकामनाएं। जल्द मिलते हैं। जोकोविच ने इस तरह मौजूदा साल को 37 जीत और नौ हार के साथ खत्म किया। उन्होंने इस दौरान ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का अपना सपना पूरा किया। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जोकोविच के करियर का टूर स्तर का 99वां खिताब था। वह हालांकि इस साल एक भी ग्रैंड स्लैम जीतने में नाकाम रहे।

हर बार रायबरेली पहुंचने पर क्षेत्र से और गहरा हो जाता है रिश्ता : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायबरेली/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर अपने निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली पहुंचे। इस दौरान, उन्होंने दिशा बैठक में शामिल होने के साथ-साथ कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

अपनी रायबरेली यात्रा के दौरान मीडिया से दूरी बनाए रखने वाले राहुल ने बाद में फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि रायबरेली के लोगों ने उन्हें पूरे अधिकार के साथ अपनी समस्याओं के बारे में बताया। राहुल लखनऊ के चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डे पर उतरने के बाद सड़क मार्ग से अपने निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली के

लिए रवाना हो गए। कांग्रेस के सूत्रों के मुताबिक, राहुल ने सबसे पहले जिले की सीमा पर स्थित चुरुवा मंदिर में पहुंचकर हनुमान जी की पूजा की। उसके बाद उन्होंने वहां मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। क्षेत्र से रवाना होने के बाद उनका काफिला बछरावां में भी कुछ समय के लिए रुका। इस दौरान, उन्होंने जनता और कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, राहुल हरचंदपुर और गंगागंज होते हुए रायबरेली स्थित डिग्री कालेज चौराहे पर पहुंचे तथा नगर निगम की ओर से कराए गए सौंदर्यीकरण कार्य का उद्घाटन किया। इसके बाद वह कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन पहुंचे, जहां उन्होंने 'दिशा बैठक' की अध्यक्षता की। अधिकारियों के साथ हुई इस बैठक में केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा के साथ-साथ जिले के विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की गई। सूत्रों ने बताया कि बैठक खत्म होने के बाद राहुल लखनऊ रवाना हो गए। इससे पहले, उन्होंने क्षेत्र में पीएमजीएसवाई (प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना) के तहत निर्मित सड़कों का शिलान्यास भी किया। अपने इस दौरे के दौरान राहुल ने मीडिया से दूरी बनाए रखी। हालांकि, बाद में उन्होंने फेसबुक पर पोस्ट किया, रायबरेली से मेरा रिश्ता चाहे जितना भी पुराना हो, यहां हर बार पहुंचकर यह और भी गहरा हो जाता है। सभी क्षेत्रवासियों ने मिलकर बहुत प्यार दिया और पूरे हक के साथ अपनी समस्याएं बताईं। उन्होंने लिखा, सांसद के रूप में आज रायबरेली में 'दिशा' कमेटी की पहली बैठक की अध्यक्षता करते हुए सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से पूरे क्षेत्र की परेशानियों और प्रगति कार्यों पर चर्चा की। नवनिर्मित शहीद चौक और सड़कों का उद्घाटन भी किया।

सुविचार

अजीब तरह के लोग है इस दुनिया में, अगरबत्ती भगवान के लिए खरीदते है और खुशबू अपने पसंद की तय करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

किस राह पर कनाडा?

कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर कट्टरपंथियों और उग्रवादियों द्वारा किया गया हमला अत्यंत निंदनीय है। खालिस्तानी झंडे लेकर आए हमलावरों में इतना दुस्साहस पैदा हो गया है! यह होना ही था, क्योंकि इस देश के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो जिस तरह वोटबैंक और विभाजन की राजनीति कर रहे हैं, उससे कनाडा का माहौल खराब होता जा रहा है। कभी शांत और सहिष्णु सामाजिक तानेबाने के लिए मशहूर रहा कनाडा अब कट्टरपंथियों, उग्रवादियों, अलगाववादियों और भारत से घृणा करने वालों का सुरक्षित ठिकाना बन चुका है। जस्टिन ट्रूडो का खालिस्तान समर्थकों के प्रति यह अनुराग कनाडा को भविष्य में बहुत महंगा पड़ेगा। इस खुशहाल देश में जिस तरह हिंसक तत्त्वों को 'अनमोल रत्न' मानकर पनाह दी जा रही है, उसे देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि अगर यही सिलसिला कुछ साल और चला तो कनाडा दूसरा पाकिस्तान बन जाएगा। जस्टिन ट्रूडो ने मंदिर पर हमला होने के बाद इसे 'अस्वीकार्य' बताते हुए 'त्वरित कार्रवाई करने पर' स्थानीय अधिकारियों को धन्यवाद दिया और हर कनाडाई को अपने धर्म का स्वतंत्र तरीके से एवं सुरक्षित माहौल में पालन करने के अधिकार को लेकर अपनी चिर-परिचित शैली में उपदेश भी दिया। क्या ट्रूडो मानते हैं कि कनाडा का माहौल हिंदुओं के लिए पहले से ज्यादा सुरक्षित हुआ है? मंदिर पर किया गया हमला आम अपराधियों का कृत्य नहीं है। इसके जो वीडियो सामने आए, उन्हें देखकर यह शक यकीन में बदल जाता है कि कनाडा में हिंदू समाज के खिलाफ बड़ी साजिश रची जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे 'हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किया गया हमला' करार देकर कड़ी निंदा की है, तो उनके शब्द कनाडा की उस हकीकत को बयान करते मालूम होते हैं, जिसे छिपाने की नाकाम कोशिश हुई है।

क्या यह बात हैरान नहीं करती कि वहां खालिस्तान के समर्थन में कथित विरोध प्रदर्शन कर रहा एक शख्स पुलिस अधिकारी था? जब रक्षक ही भक्षक बनेंगे तो देश कितना सुरक्षित होगा? उस अधिकारी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं तो ट्रूडो सरकार लीपापोती पर उतर आई। अधिकारी को 'निलंबित' करने की सूचना कितने मासूमाना अंदाज़ में दी गई– 'पुलिस सोशल मीडिया पर आए उस वीडियो से अवगत है, जिसमें कनाडा पुलिस का एक अधिकारी प्रदर्शन में शामिल दिखता है। वैसे यह पुलिस अधिकारी उस वक्त ड्यूटी पर नहीं था।' क्या कनाडा का कोई सरकारी अधिकारी, खासकर जो उसकी सुरक्षा से जुड़ा हो, यह अधिकार रखता है कि जब वह ड्यूटी पर न हो तो कट्टरपंथियों, उग्रवादियों और अलगाववादियों के झुंड में शामिल होकर हुड़दंग मचाए? जब सरकारी अधिकारी ऐसे कथित प्रदर्शनों में शामिल होने लगेंगे तो क्या वे निष्पक्षता से अपने कर्तव्य निभा सकेंगे? पुलिस अधिकारी तो अपने सेवाकाल में कई लोगों से मिलते हैं, जिनमें ज्यादातर वे होते हैं, जिन्हें मदद की जरूरत होती है। क्या उक्त अधिकारी ऐसे लोगों से बदसलूकी नहीं करता होगा, जिनके प्रति यह अपने मन में घृणा लिए फिर रहा है? जस्टिन ट्रूडो अपने सियासी फायदे के लिए वैमनस्य की जो आग भड़का रहे हैं, वह सरकारी तंत्र को भी अपनी चपेट में लेने लगी है। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि ट्रूडो जिस राह पर कनाडा को लेकर जा रहे हैं, वह भविष्य में गहरे सामाजिक विभाजन को जन्म दे। कनाडाई सांसद चंद्र आर्य ने सत्य कहा कि खालिस्तानी चरमपंथियों ने 'लाल रेखा' पार कर ली है। कनाडा में रहने वाले हिंदुओं को अपनी सुरक्षा के लिए आगे आना होगा, अपने अधिकारों की मांग करनी होगी। सिर्फ सोशल मीडिया पर कुछ शेयर कर देना काफी नहीं है। संगठित होकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी करना होगा। खामोश रहने से उग्रवादियों के हौसले और ज्यादा बुलंद होंगे। कनाडा के बुद्धिजीवी वर्ग को भी उग्रवादियों के खिलाफ आवाज उठानी होगी। अन्यथा भविष्य में शौक़ बहराइची का मशहूर शे'र ('बर्बाद गुलिस्तां करने को बस एक ही ... काफ़ी था ...') कुछ शब्दों के बदलाव के साथ कनाडा के लिए लिखे जाने की आशंका है! वे इसमें ट्रूडो या किसी खालिस्तानी का नाम शामिल करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

ट्वीटर टॉक

एशिया के पहले बौद्ध शिखर सम्मेलन में पधारीं माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का स्वागत कर मुझे अत्यंत गर्व का अनुभव हुआ। सम्माननीय केंद्रीय मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने भी सत्र को सुशोभित किया। सम्मेलन का विषय 'एशिया को सशक्त बनाने में बुद्ध धम्म की भूमिका' है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

राष्ट्रवादी नेता एवं प्रसिद्ध विधि-शास्त्री देशबन्धु चितरंजन दास जी की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण नमन। चितरंजन जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र को समर्पित किया। उनके जीवन आदर्श व मानवमात्र के प्रति करुणा व दया के भाव सदैव हमारे लिए प्रेणास्रोत बने रहेंगे।

-ओम बिरला

बूंदी में अध्यापक मनीष मीणा की नृशंस हत्या की घटना अत्यंत दु:खद एवं पीड़ादायक है। इस दु:ख की घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं परिजनों के साथ हैं। भाजपा के कुशासन में प्रदेश में अपराध चरम है और अपराधी निरंकुश होकर नित नई घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

-सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

पश्चाताप से सुकून

एक बार राजा राम मोहन राय से मिलने एक आदमी आया। उस आदमी ने उनको सोने के सिक्के देने चाहे। राजा राम मोहन राय ने कहा कि बेशक इस समय समाज सेवा के लिए धन चाहिए मगर सबसे पहले यह बताओ कि तुमने यह सब कैसे अर्जित किया। इस पर वह आदमी झूठ न कह सका। उसने बताया कि ठगी के कारनामे करके उसने दौलत जमा कर ली है। अब वह सर्दी में गर्म इलाके में तथा गर्मी में पहाड़ में आलीशान ढंग से रहता है। मगर इस पर भी दिल को चैन नहीं आ रहा है। हर समय डर लगा रहता है कि ठगी करने वाले बाकी अपराधी उसे मार न डालें। इसलिए आपको कुछ दौलत सौंपकर आपका स्नेह तथा आश्रय चाहता हूं। राजा राम मोहन राय जी ने तुरंत वह सिक्के लौटा दिये। उस आदमी को समझाया कि सारा धन उन लोगों को लौटाकर सरल जीवन जियो। मैं इसे ही आपकी सामाजिक सेवा मान लेता हूं। वह आदमी उसी पल एक-एक का नाम लिखकर रुपया पैसा आदि लौटाने का संकल्प करने लगा। इस पल में वह जीवन में पहली बार संतुष्ट और खुशी महसूस कर रहा था।

सामयिक

भारत विरोधी खालिस्तानियों को ट्रूडो सरकार की शह

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

कनाडा भारत विरोधी गतिविधियों एवं खालिस्तानी अलगाववाद को पोषण एवं पल्लवन देने का बड़ा केन्द्र बनता जा रहा है। खालिस्तानी झंडे लिये प्रदर्शनकारियों ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर हमला बोला, हिन्दुओं के साथ हिंसक झड़प की, जिन्हें लेकर ट्रूडो सरकार मूक दर्शक बन कर भारत विरोधी तत्वों को शह देती रही है। इसके अलावा कनाडा के प्रमुख शहरों, टोरंटों, वैंकूवर और सरे से मंदिरों पर भी हमले खबरें परेशान करने वाली हैं। सभी जगहों पर हमला खालिस्तान समर्थक अतिवादियों ने किया। इन हमलों ने कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, वीडियो में मारपीट के दृश्य भी दिखाई दे रहे हैं। जानबूझकर मन्दिर पर किये इन हमलों की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि कायराना एवं शर्मनाक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन घटनाओं की निन्दा करते हुए ट्रूडो सरकार को चेता कर हिंसा को असहनीय बताया एवं कहा कि ऐसी घटनाएं भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं कर पायेंगी। निश्चित ही खालिस्तानी पृथकतावादियों को खुली छूट देकर ट्रूडो सरकार दोनों देशों के आपसी संबंधों में कडवाहट घोल रहे हैं। यह विडंबना ही है कि कानून का पालन करने वाले प्रवासी भारतीय सदस्यों की सुरक्षा और संरक्षा दांव पर है। दरअसल, अल्पमत में आई ट्रूडो सरकार राजनीतिक स्वार्थों के लिये निचले स्तर का खेल खेल रही है। वह अगले साल होने वाले आम चुनाव में फिर सरकार बनाने के लिये ऐसे संकीर्ण, विघटनकारी एवं स्वार्थी राजनीतिक हथकंडों को अपनाकर अपने ही पांवों पर कुल्हाड़ी चला रही है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, भारत-कनाडा संबंधों को बचाने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। अब तक के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे भारत-कनाडा संबंधों को सामान्य बनाने के लिये यह अपरिहार्य अनिवार्य शर्त भी है।

निश्चित रूप से जस्टिन ट्रूडो सरकार को वहां सक्रिय खालिस्तानी अलगाववादियों को भारत के खिलाफ जहर उगलने के लिये कनाडाई क्षेत्र के दुरुपयोग की अनुमति नहीं देनी चाहिए, क्योंकि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ट्रूडो सरकार द्वारा उपद्रवियों को संरक्षण देना उसकी राजनयिक और लोकतांत्रिक साख को कमजोर करने वाला कदम ही है। राजनीतिक स्वार्थों के लिये प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो खालिस्तान समर्थकों का सहारा लेकर भारत की एकता और अखंडता को खण्डित करने पर तूले हैं, वे खालिस्तानी अतिवादियों को बेलगाम करके खूद के लिये भी खतरा मोल ले रहे हैं, वे यह समझने को तैयार नहीं कि खालिस्तान समर्थक भारत के साथ-साथ कनाडा के लिए भी खतरा बन सकते हैं। वे पहले से ही ड्रग्स और हथियारों के साथ मानव तस्करी में लिप्त हैं। जस्टिन ट्रूडो को यह समझना होगा कि कनाडा की नागरिकता लिए खालिस्तानी अतिवादी खालिस्तान का कितना ही शोर मचाएं, भारत में उसका कहीं कोई समर्थन नहीं और भारत की एकता पर उसका तनिक भी असर नहीं होने वाला है।

गौर करने वाली बात यह है कि ट्रूडो के मुकाबले इस घटना की ज्यादा कड़ी निंदा कनाडा के ओंटारियो सिख ऐंड गुरुद्वारा कौंसिल ने की है। वैसे यह भी ध्यान रखना होगा कि मंदिरों में जिन पर हमला हुआ, वे भी कनाडा के ही नागरिक हैं। जस्टिन ट्रूडो ने जितनी सक्रियता खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर के मामले में दिखाई, उतनी इस मामले में भी दिखाते, तो शायद चीजें बदल सकती थीं, जो उनके लिये ज्यादा राजनीतिक लाभकारी होती। यह एक विडंबना ही है कि कुछ दशक पहले तक खालिस्तान के जिस पागलपन ने भारत को काफी परेशान किया था, पंजाब एवं समूचा देश लम्बे समय तक खालिस्तानी आतंकवाद का शिकार रहा और अब जब भारत से उसका नामो-निशान तक मिट चुका है, तो कनाडा में उसे जोर-शोर से पाला-पोसा जा रहा है। मामला सिर्फ इतना नहीं है, कनाडा अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी दूसरे देश के खिलाफ होने दे रहा है, तो इस पर पूरी विश्व बिरादरी को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। हम सीमा पार आतंकवाद फैलाने के पाकिस्तानी दंश को लंबे अरसे से भोगते रहे हैं और अब कनाडा में जो हो रहा है, वह भी एक तरह से सीमा पार अलगाववाद फैलाना ही है। भारत को कनाडा के साथ अमेरिका के रवैये पर भी ध्यान देना होगा, क्योंकि वह गुरपतवंत सिंह पन्नू को खुले तौर पर संरक्षण दे रहा है। भारत के खिलाफ विदेश की धरती से हो रहे इन षड़यंत्रों एवं साजिशों को गंभीरता से लेना होगा।

पिछले साल खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद ट्रूडो सरकार लगातार, भारत के साथ लापरवाही से रिश्ते खराब कर रही है। इस नतीजे पर पहुंचने का एक कारण यह भी है कि कनाडा के साथ अमेरिका की भी नागरिकता लिए खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कुछ दिनों पहले यह धमकी दी थी कि कनाडा के हिंदुओं को दीवाली नहीं मनाने दी जाएगी। इस धमकी के बाद भी यदि खालिस्तानी चरमपंथी हिंदू मंदिर में धावा बोलने आ गए तो इसका यही मतलब निकलता है कि कनाडा सरकार का उन पर लगाम लगाने का कोई इरादा नहीं। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और वहां के प्रमुख विपक्षी दल के नेता ने हिंदू मंदिर को निशाना बनाए जाने की निंदा की, लेकिन इनमें से किसी ने भी खालिस्तान समर्थकों का उल्लेख करना आवश्यक नहीं समझा, इससे स्पष्ट है कि कनाडा सरकार खालिस्तानियों को खुला समर्थन कर रही है। बहरहाल, यह तय है कि रह-रह कर सामने आ रही यह हिंदू-सिख संबंधों में तल्खी, भारत तथा कनाडा सरकारों के संबंधों में आ रही गिरावट से गहरे तक जुड़ती है। हाल के दिनों में कनाडा सरकार के मंत्रियों ने मर्यादा की सीमाएं लांघते हुए भारत सरकार पर अनेक आक्षेप किये हैं। यहां तक कि कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने भारतीय गृह मंत्री पर आरोप लगाये कि उन्होंने कनाडा में भारत विरोधी अलगाववादियों को निशाना बनाने के लिये हिंसा व खुफिया जानकारी जुटाने के आदेश दिए। जैसा कि स्वाभाविक ही था इस तरह के आरोप-प्रत्यारोप का भारत सरकार ने भी कड़ा प्रतिवाद किया है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कड़े शब्दों में इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। नई दिल्ली ने इन आरोपों को बेतुका और निराधार बताकर नकार दिया है। कनाडा सरकार इसके कोई ठोस प्रमाण न देकर खुद को ही हंसी का पात्र बनाया।

खालिस्तान समर्थक अतिवादी तत्वों ने हिंदू मंदिर परिसर में भारतीय उच्चायोग की ओर से आयोजित एक शिविर को भी निशाने पर लिया। इस शिविर में बड़ी संख्या में सिख भी मौजूद थे। साफ है कि खालिस्तान समर्थक कनाडा में रह रहे हिंदुओं के साथ सिखों के लिए भी मुसीबत बन रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि उन्होंने जिस हिंदू मंदिर को निशाना बनाया, उसमें सिख भी आते हैं। इन सभी जगहों पर भारतीय उच्चायोग ने पेंशन पाने वाले भारतीयों को जीवन प्रमाणपत्र बांटने के लिए शिविरों का आयोजन किया था। कनाडा में इस तरह के शिविर लगाने की परंपरा पुरानी है। कनाडा में कई बार मंदिरों की दीवारों पर भारत विरोधी नारे भी लिखे जा चुके हैं। खालिस्तानियों के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं होने से उनका दुस्साहस बढ़ रहा है। भारत को इसके लिए तैयार रहना चाहिए कि कनाडा में भारतीय मूल के लोगों और धार्मिक स्थलों को खालिस्तानी अतिवादी तत्वों की ओर से आगे भी निशाना बनाया जा सकता है, क्योंकि वहां कुछ माह बाद आम चुनाव होने हैं। यह किसी से छिपा नहीं कि इन चुनावों में अपनी राजनीतिक दशा सुधारने के लिए प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो एक विघटनकारी खेल खेल रहे हैं। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कोई देश उस अतिवाद को कैसे पलने दे सकता है। ऐसी अपरिपक्व राजनीतिक सोच एवं कार्रवाई से जस्टिन ट्रूडो की सरकार का संकट ही बढ़ेगा और वे और उनके दल का अगले चुनाव में सफाया हो जाने की पूरी आशंका है।

विशेष

कनाडा में भी लगे 'जय श्री राम' और 'बटेंगे तो कटेंगे' के नारे

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

कनाडा के ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर के बाहर लोग जुट रहे हैं। इन लोगों के हाथों में भारत के झंडे हैं, कुछ लोगों के हाथों में भगवा झंडे भी नजर आ रहे हैं। लोग 'जय श्री राम' और 'बटेंगे तो कटेंगे' के नारे लगा रहे हैं। इन लोगों में बेहद गुस्सा है। मंदिर के बाहर जुटे लोगों की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी किये गए हैं। इस मंदिर के बाहर ही खालिस्तानियों ने हिंदू श्रद्धालुओं पर लाठियां चलाई थीं, उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटा था। इन घटना को लेकर भारत में भी काफी रोष नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कनाडा में मंदिर के बाहर हिंदुओं पर हुए हमले की निंदा की और इसे 'जानबूझकर किया गया हमला' करार दिया।

ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर के बाहर प्रदर्शन कर रहे कुछ लोग खालिस्तान मुर्दाबाद के नारे भी लगा रहे हैं। कनाडा के इतिहास में शायद पहली बार किसी हिंदू मंदिर में इस तरह खालिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगे हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हिंदुओं में इस घटना को लेकर कितना गुस्सा है, जो इस रूप में बाहर आ रहा है। इससे पहले सोमवार को भी मंदिर के बाहर सैकड़ों श्रद्धालु जुटे और 'जय श्रीराम' और 'बटेंगे तो कटेंगे' के नारे लगाए।

भारत के मोस्ट वॉन्टेड आतंकियों के सुरक्षित पनाहगाह के तौर पर उभरे कनाडा में दंगाइयों ने हिंदू मंदिरों को निशाना बना रहे है। श्रद्धालुओं पर हमले किए जा रहे हैं। भारतीय राजनयिकों पर हमले की कोशिश की है। जस्टिन ट्रूडो की सरकार भारतीय राजनयिकों की निगरानी कर रही है। उनकी जासूसी कर रही है। कनाडाई आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद ट्रूडो ने भारत पर बेतुके आरोप लगाए। तब से दोनों देशों के रिश्ते गर्त में पहुंच चुके हैं। अब हिंदू मंदिरों पर ट्रूडो सरकार के पाले गुंडों और दंगाइयों के हमले ने लक्ष्मण रेखा पार कर दी है।

यहाँ पंजाब में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी सरकार पर खालिस्तानियों को अपरोक्ष रूप से सपोर्ट करने का आरोप लगते रहे हैं। पर जिस तरह पंजाब सरकार लगातार कनाडा में खालिस्तानियों को लेकर हुई घटनाओं पर आंख मूंदे हुए है वो उन आरोपों की पुष्टि कर रहे हैं जो अब तक उन पर लगता रहा है। पंजाब सरकार भारत-कनाडा विवाद पर टिप्पणी करने से इनकार करती रही है। अब भारत और कनाडा को लेकर लगातार माहौल खराब हो रहा के बावजूद पंजाब सरकार की रहस्यमय चुप्पी समझ से परे है। जबकि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार से पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह की कांग्रेस सरकार ने इस तरह कभी भी कट्टरपंथियों के आगे हाथ नहीं डाले थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं दिया है। कनाडा में निज्जर हत्याकांड के बाद वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो जिस तरह से अपनी राजनीति चमकाने के नाम पर लगातार भारत को टार्गेट कर रहे हैं, जिस तरह वहां हिंदुओं को बार-बार खालिस्तानी उग्रवादी टार्गेट कर रहे हैं उसके चलते एक बार फिर पंजाब अशांति की ओर जा सकता है। पिछले महीने इंडियन एक्सप्रेस में छपी एक खबर की माने तो पंजाब सरकार के कुछ मंत्रियों ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, हालांकि एक ने कहा कि पार्टी ने इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है।

नजरिया

आस्था एवं उत्साह का लोकपर्व है छठ

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व 'छठ' उत्तर भारत, विशेषकर बिहार, झारखण्ड, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सूर्योपासना का महापर्व है। यह पर्व सूर्य, उनकी पत्नी उषा तथा प्रत्यूषा, प्रकृति, जल, वायु और सूर्य की बहन छठी मैया को समर्पित है। उषा तथा प्रत्यूषा को सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत माना गया है, इसीलिए छठ पर्व में सूर्य तथा छठी मैया के साथ इन दोनों शक्तियों की भी आराधना की जाती है। षष्ठी देवी को ही छठ मैया कहा गया है, जो निसंतानों को संतान देती हैं और संतानों की रक्षा कर उनको दीर्घायु बनाती हैं। पुराणों में षष्ठी देवी का एक नाम कात्यायनी भी है, जिनकी पूजा नवरात्र में षष्ठी को होती है। माना जाता है कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना करने से छठी माता प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-समृद्धि, रोगमुक्ति, सम्पन्नता और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं। छठ पूजा इस वर्ष 5 नवम्बर से 8 नवम्बर तक मनाई जा रही है। नहाय-खाय 5 नवम्बर को और खरना 6 नवम्बर को है जबकि छठ की मुख्य पूजा संध्या अर्ध्य के साथ 7 नवम्बर को होगी। उगते सूर्य को अर्ध्य 8 नवम्बर को दिया जाएगा और उसी के साथ छठ महापूजा का समापन होगा।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य देवता की बहन छठी मैया संतानों की रक्षा कर उन्हें लंबी आयु प्रदान करती हैं। प्रातःकाल में सूर्य की पहली किरण (उषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्ध्य देकर दोनों को नमन किया जाता है। सूर्योपासना का महापर्व छठ कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है, इसीलिए इसे छठ कहा जाता है। इस चार दिवसीय उत्सव की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन नहाय खाय' से होती है, अगले दिन खरना' होता है, तीसरे दिन छठ का प्रसाद तैयार किया जाता है और स्नान कर अस्त होते सूर्य को अर्ध्य दिया जाता है, सप्तमी को चौथे और अंतिम दिन उगते सूर्य की पूजा-आराधना के साथ इस महापर्व का समापन होता है। छठ पर्व के प्रसाद में प्रायः चावल के लड्डू बनाए जाते हैं और बांस की टोकरी में प्रसाद तथा फल सजाकर इस टोकरी की पूजा की जाती है। व्रत रखने वाली महिलाएं सूर्य को अर्ध्य देने तथा पूजा के लिए तालाब, नदी अथवा घाट पर जाकर स्नान कर डूबते हुए सूर्य की पूजा करती हैं और अगले दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्ध्य देकर पूजा करने के पश्चात प्रसाद बांटकर छठ पूजा का समापन होता है। सही मायनों में यह महापर्व जीवनदायी सूर्यदेव के प्रति आभार प्रकट करने का महापर्व है।

छठ महापर्व की शुरूआत को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी मान्यता है कि लोक मातृका षष्ठी की पहली पूजा सूर्यदेव ने ही की थी। सूर्य को ज्योतिष विधा में सभी ग्रहों का अधिपति माना गया है। इसीलिए मान्यता है कि यदि समस्त ग्रहों को प्रसन्न करने के बजाय केवल सूर्यदेव की ही आराधना की जाए तो कई लाभ मिल सकते हैं। माना जाता है कि सर्वप्रथम महाबली कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा शुरू की थी और आज भी छठ पर्व में सूर्य को अर्ध्य देने का विशेष महत्व है। सूर्यपुत्र कर्ण तो भगवान सूर्य के परम भक्त थे, जो प्रतिदिन घंटों तक कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्ध्य दिया करते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान योद्धा बने थे। एक मान्यता यह भी है कि देवमाता अदिति ने प्रथम देवासुर संग्राम में असुरों से देवताओं के हार जाने पर तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। छठी मैया ने उनकी आराधना से प्रसन्न होकर उन्हें सर्वगुण सम्पन्न तेजस्वी पुत्र को जन्म देने का वरदान दिया, जिसके बाद अदिति ने त्रिदेव रूप आदित्य भगवान को जन्म दिया, जिन्होंने देवताओं को असुरों पर विजय दिलाई। कहा जाता है कि तभी से छठ पर्व मनाए जाने का चलन शुरू हो गया।

इस पर्व को लेकर कुछ मान्यताएं महाभारत काल से भी जुड़ी हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार पाण्डव जब अपना सारा राजपाट जुए में हार गए थे, तब श्रीकृष्ण के निर्देशानुसार द्रोपदी ने छठ व्रत रखा और छठी मैया के आशीर्वाद से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होने पर पाण्डवों को राजपाट वापस मिला। पाण्डवों की पत्नी द्रोपदी द्वारा परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लंबी आयु के लिए नियमित रूप से सूर्य की पूजा करने का उल्लेख भी मिलता है। छठ पूजा के अवसर पर नदियों, तालाबों इत्यादि के किनारे पूजा की जाती है, जिससे लोगों को इन जलस्रोतों के आसपास साफ-सफाई रखने की प्रेरणा मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठ पूजा साफ-सुथरी नदी, तालाबों या अन्य जलस्रोतों के किनारे की जाती है, इसीलिए पूजा से पहले इन जलस्रोतों के आसपास पूरी साफ-सफाई करने का विधान है। यह महापर्व नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने का प्रेरणा देता है, इसीलिए इसे सर्वाधिक पर्यावरण अनुकूल हिन्दू त्यौहार माना जाता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

वाजपेयी का नजरिया अपनाया गया होता तो जम्मू-कश्मीर की यह हालत नहीं होती : उमर

श्रीनगर/भाषा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि अगर केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का नजरिया अपनाया होता तो जम्मू-कश्मीर की यह हालत नहीं होती।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में श्रद्धांजलि सभा के दौरान अब्दुल्ला ने पूर्व प्रधानमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि वाजपेयी ने ''हमेशा जम्मू-कश्मीर में स्थिति को सुधारने की कोशिश की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वाजपेयी 1999 में पहली दिल्ली-लाहौर बस से पाकिस्तान गए थे, तो उन्होंने मीनार-ए-पाकिस्तान का दौरा किया था जो 'आसान नहीं 'था। सदन के नेता अब्दुल्ला ने कहा, फिर वह सरहद पर खड़े हो गए और कहा कि हम दोस्त बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। वाजपेयी ने कहा था कि बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। उन्होंने असफलताओं का सामना करने के बावजूद बार-बार दोस्ती का हाथ बढ़ाया। अब्दुल्ला ने कहा, मैं उन्हें (वाजपेयी को) जानता हूं और उनकी मंत्रिपरिषद के एक मंत्री के रूप में उनके साथ काम किया है। जब हम वाजपेयी को याद करते हैं, तो हम उन्हें जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में याद करते हैं। उन्होंने हमेशा जम्मू-कश्मीर में स्थिति को सुधारने की कोशिश की, उन्होंने तनाव कम करने की कोशिश की।

अब्दुल्ला ने कहा, उन्होंने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के आर-पार के रास्तों को खोलने के लिए काम किया जो बाद में फिर से बंद हो गए। वह लोगों को करीब लाना चाहते थे। उन्होंने नागरिक समाज को करीब लाने की कोशिश की। आज हमें अलग रखने की कोशिश की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर वाजपेयी का नजरिया अपनाया गया होता तो जम्मू-कश्मीर की ''यह हालत नहीं होती।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को श्रद्धांजलि देते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि उनके जीवन से बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, मुखर्जी के पास कोई 'गॉडफादर' नहीं था और उन्हें राजनीति में कोई लेकर नहीं आया था। उन्होंने कड़ी मेहनत की थी। उन्होंने कहा कि मुखर्जी ने अपने सभी पदों के साथ न्याय किया। सदन के नेता ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी और उनके पूर्व सहयोगी और भाजपा नेता देवेंद्र सिंह राणा सहित अन्य को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। राणा का पिछले सप्ताह निधन हो गया था।

राणा के बारे में उन्होंने कहा, अगर किसी सहकर्मी के खोने का मुझे दुख है, तो वह राणा थे। चुनावी प्रतिद्वंद्विता में हमने कड़वी बातें कही थीं। लेकिन, मुझे नहीं पता था कि वह इतने बीमार हैं।

जनसभा

केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान झारखंड के सारथ विधानसभा क्षेत्र देवघर में भाजपा उम्मीदवार रणधीर सिंह के समर्थन में मंगलवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए।

'किसी मामले का गुण-दोष मीडिया में किए गए चित्रण से काफी अलग हो सकता है'

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली दंगों के मामले में जेल में बंद जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई में हो रही देरी के बारे में पूछे जाने पर प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि किसी मामले का गुण-दोष, मीडिया में किए गए चित्रण से काफी अलग हो सकता है।

प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि एक न्यायाधीश किसी मामले की सुनवाई करते समय अपने दिमाग का पूरा इस्तेमाल करता है और बिना किसी पक्षपात के, उसके गुण-दोष के आधार पर फैसला करता है।

उन्होंने कहा कि मीडिया में एक विशेष मामला महत्वपूर्ण हो जाता है और फिर उस विशेष मामले पर अदालत की आलोचना की जाती है। उन्होंने कहा, प्रधान न्यायाधीश का पद संभालने के बाद मैंने जमानत के मामलों को प्राथमिकता देने का फैसला किया, क्योंकि यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़ा होता है। यह तय किया गया कि शीर्ष अदालत की कम से कम हर पीठ को जमानत के 10 मामलों की सुनवाई करनी चाहिए। नौ नवंबर 2022 से एक नवंबर 2024 के बीच उच्चतम न्यायालय में जमानत के 21,000 मामले दायर किए गए।

इस अवधि के दौरान जमानत के 21,358 मामलों का निपटारा किया गया। उन्होंने कहा कि इसी अवधि के दौरान धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत दायर 967 मामलों में से 901 का निपटारा किया गया।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हाल के महीनों में दर्जनों राजनीतिक मामले ऐसे हैं जिनमें जमानत दी गई है। इन मामलों में प्रमुख राजनीतिक लोग शामिल हैं। अक्सर मीडिया में किसी मामले के एक खास पहलू को पेश किया जाता है।

उन्होंने कहा, जब कोई न्यायाधीश किसी मामले के रिकॉर्ड पर ध्यान देता है, तो जो सामने आता है, वह उस विशेष मामले के गुण-दोष के बारे में मीडिया में किए गए चित्रण से बहुत अलग हो सकता है।

न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब हमेशा सरकार के खिलाफ फैसला सुनाना नहीं है : सीजेआई

नई दिल्ली/भाषा

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब हमेशा सरकार के खिलाफ फैसले देना नहीं है।

इंडियन एक्सप्रेस समूह द्वारा यहां आयोजित एक कार्यक्रम में चंद्रचूड़ ने सोमवार को कहा कि कुछ दबाव समूह हैं जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का इस्तेमाल कर अदालतों पर दबाव डालकर अनुकूल फैसले लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, परंपरागत रूप से, न्यायिक स्वतंत्रता को कार्यपालिका से स्वतंत्रता के रूप में परिभाषित किया गया है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता का अर्थ अब भी सरकार से स्वतंत्रता है। लेकिन न्यायिक स्वतंत्रता के संदर्भ में यह एकमात्र चीज नहीं है। उन्होंने कहा, हमारा समाज बदल चुका है। विशेष रूप से सोशल मीडिया के आने के बाद, आप हित समूह, दबाव समूह और ऐसे समूहों को देखते हैं जो अनुकूल निर्णय लेने के लिए अदालतों पर दबाव बनाने के उद्देश्य से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं।

इस महीने की 10 तारीख को प्रधान न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हो रहे चंद्रचूड ने कहा कि अगर न्यायाधीश उनके पक्ष में फैसला करते हैं तो ये दबाव समूह न्यायपालिका को स्वतंत्र बताते हैं।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, अगर आप मेरे पक्ष में फैसला नहीं करेंगे, तो आप स्वतंत्र नहीं हैं। इसी बात से मुझे आपत्ति है। स्वतंत्र होने के लिए, एक न्यायाधीश को यह निर्णय लेने की स्वतंत्रता होनी चाहिए कि उनकी अंतरात्मा उन्हें क्या कहती है, निश्चित रूप से, अंतरात्मा जो कहती है वह कानून और संविधान द्वारा निर्देशित है।

चंद्रचूड़ ने कहा कि जब उन्होंने सरकार के खिलाफ फैसला सुनाया और चुनावी बांड रद्द कर दिया तो उन्हें स्वतंत्र कहा गया। उन्होंने कहा, जब आप चुनावी बांड पर निर्णय करते हैं, तो आप बहुत स्वतंत्र होते हैं, लेकिन अगर फैसला सरकार के पक्ष में जाता है, तो आप स्वतंत्र नहीं हैं... यह मेरी स्वतंत्रता की परिभाषा नहीं है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को मामलों का फैसला करने की छूट दी जानी चाहिए।

विधानसभा

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के बेटे जमीर और जहीर मंगलवार को श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर विधानसभा सत्र के दूसरे दिन उपस्थित हुए।

कनाडा के मंदिर पर हमला शांति और एकता के मूल्यों पर वार है: सावंत

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कनाडा में हिंदुओं के एक मंदिर पर हमले की घटना की मंगलवार को निंदा की और कहा कि यह अस्वीकार्य है तथा इस तरह की घटनाएं शांति, सम्मान एवं एकता के मूल्यों पर सीधा हमला हैं। सावंत ने कनाडा सरकार से अपनी सीमा के भीतर सभी धार्मिक समुदायों के लोगों की सुरक्षा एवं रक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने अनुरोध किया।

घटना रविवार को कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में हुई, जहां खालिस्तानी झंडे लिए प्रदर्शनकारियों की हिंदू सभा मंदिर में लोगों के साथ झड़प हुई और मंदिर के अधिकारियों एवं भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक वाणिज्य दूतावास कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न की गई।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब खालिस्तानी अलगाववादियों को कनाडा के कथित समर्थन तथा भारत द्वारा आतंकवादी घोषित किए गए कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता के आरोप के कारण दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री सावंत ने कहा, हिंदू मंदिर और उसके भक्तों पर हाल में किया गया हमला न केवल बेहद चिंताजनक है, बल्कि पूरी तरह से अस्वीकार्य भी है। ऐसी घटनाएं किसी भी सभ्य समाज की नींव बनाने वाले शांति, सम्मान और एकता के मूल्यों पर सीधा हमला हैं। उन्होंने कहा, हम कनाडा सरकार से आग्रह करते हैं कि वह अपनी सीमाओं के भीतर सभी धार्मिक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल, निर्णायक कार्रवाई करे।

प्रचार

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी मंगलवार को वायनाड के कोझिकोड के थिरुवंबाडी में वायनाड उपचुनाव से पहले एक चुनावी रैली में शामिल हुईं।

सलमान को जान से मारने की एक और धमकी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को मंगलवार को जान से मारने की एक और धमकी मिली है जिसमें उन्हें माफी मांगने या जिंदा रहने के लिए पांच करोड़ रुपये देने को कहा गया है। मुंबई ट्रैफिक पुलिस के हेल्पलाइन नंबर पर एक महीने में यह चौथा धमकी भरा संदेश है। मुंबई पुलिस ने कहा कि उन्हें मंगलवार को सुबह करीब 12.30 बजे मुंबई ट्रैफिक कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर पर एक संदेश मिला, जिसके बाद वर्ली पुलिस अधिकारियों को सूचित किया गया।

उन्होंने कहा, संदेश भेजने वाले ने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई बताया। उसने अभिनेता को जिंदा रहने के लिए दो विकल्प दिये- या तो मंदिर में माफी मांगें अथवा पांच करोड़ रुपये दें अन्यथा उनके गिरोह के सदस्य उन्हें मार देंगे।

पुलिस का मानना है कि अज्ञात नंबर से भेजा गया यह संदेश एक धोखा है। उन्होंने कहा , हम मामला दर्ज करने की प्रक्रिया में हैं। संदिग्ध का पता लगाने के लिए एक टीम को पहले ही नियुक्त कर दिया।

'द साबरमती रिपोर्ट' का मोशन पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी की आने वाली फ़िल्म द साबरमती रिपोर्ट का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। द साबरमती रिपोर्ट का टीज़र जारी हुआ है, तब से इसने सभी की निगाहें अपनी ओर आकर्षित की हैं। इस टीज़र में एक ऐसी घटना का उल्लेख किया गया है, जो भारत के लिए बहुत विनाशकारी साबित हुई, और इसने पूरे देश को अंदर तक झकझोर कर रख दिया था। फिल्म मेकर्स नेविक्रांत मैसी के साथ इस दिलचस्प मोशन पोस्टर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है: जिसने सच देखा क्या वो सच दिखाएगा? जब सच और षडयंत्र का मिलन होगा, तो कौन जीतेगा?

बालाजी मोशन पिक्चर्स, बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक डिविजन और विकिर फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा प्रेजेंट, 'द साबरमती रिपोर्ट' में विक्रांत मैसी, राशी खन्ना और रिद्धि डोगरा लीड रोल में हैं। यह फ़िल्म धीरज सरना द्वारा निर्देशित और शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन द्वारा निर्मित है, जिसे दुनिया भर में ज़ी स्टूडियोज द्वारा रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म 15 नवंबर 2024 को रिलीज होगी।

फिल्म 'आजाद' का टीज़र हुआ रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

डायरेक्टर अभिषेक कपूर की आगामी फिल्म 'आज़ाद' का टीज रिलीज़ हो चुका है और यह एक एपिक एक्शन-एडवेंचर होने का वादा करती है, जो यकीनन अपनी छाप छोड़ेगी। टीज़र ने फैंस के बीच उत्साह जगा दिया है, जिसमें फिल्म की शक्तिशाली कहानी की झलकियाँ दिखाई गई हैं। इसके प्रीव्यू में, 'आज़ाद' एक डार्क हॉर्स के रूप में सामने नज़र आता है, जो अपने सच्चे इमोशन्स और शानदार सिनेमैटोग्राफी से दर्शकों को आकर्षित करने के लिए तैयार है। टीज़र दर्शकों के लिए इस एडवेंचर जर्नी में क्या है, इसकी एक रोमांचक झलक पेश करता है।

फ़ौरन सनसनी मचाने वाली अभिषेक कपूर ने फिल्म 'आजाद' का टीजर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, हर जंग में, हर बहादुर योद्धा के साथ, एक वफ़ादार घोड़ा ज़रूर रहा है।

आज़ाद टीजर आउट नाउ. विटनेस द एडवेंचर ऑन बिग स्क्रीन्स दिस जनवरी 2025। इससे पहले दिवाली के शुभ अवसर पर कपूर ने फिल्म के टाइटल का खुलासा किया था। मेकर्स ने दर्शकों के लिए सिनेमाघरों में एक एक्सक्यूसिव टीज़र प्रीमियर की भी व्यवस्था की थी।

'आज़ाद' में अजय देवगन, डायना पेंटी जैसे बेहतरीन कलाकार हैं और इसमें डेब्यूटेंट अमन देवगन और राशा थडानी भी शामिल हैं। रोनी स्क्रूवाला और प्रज्ञा कपूर द्वारा निर्मित यह फिल्म जनवरी 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म अभिषेक कपूर की साहसी, नई और रोमांचक कहानियों को बड़े पर्दे पर लाने की परंपरा को जारी रखेगी।

दीपावली के बाद 'वास्तविकता' में वापस लौटीं अभिनेत्री सारा अली

मुंबई/एजेन्सी

केदारनाथ अभिनेत्री और पटौदी खानदान की लाडली सारा अली खान रोशनी के त्योहार दीपावली के जश्न के बाद अब काम पर वापस लौट चुकी हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक खूबसूरत पोस्ट शेयर किया है। सारा अली खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर एक उगते सूरज की तस्वीर डाली और कैप्शन में लिखा दीपावली के बाद शूटिंग का दिन। वास्तविकता में वापसी और हां अभी भी सूरज का पीछा करना है। हालांकि, अभिनेता सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा ने यह नहीं बताया कि वह किस फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। 25 अक्टूबर को सारा ने खुलासा कर फैंस को जानकारी दी कि वह फिल्म निर्माता अमर कौशिक और अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ हिमाचल प्रदेश के मनाली में जासूसी-कॉमेडी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं।

अभिनेत्री ने हाल ही में तस्वीरें शेयर कर बताया कि उन्होंने 24 मीटर ऊंचे हिडिंबा देवी मंदिर का दौरा किया। सारा ने निर्देशक और अभिनेता के साथ अलाव के पास बैठे हुए कई तस्वीरें शेयर की। एक तस्वीर में अभिनेत्री काले और सफेद रंग की हुडी के साथ डार्क कलर की जींस और इयरमफ्स में नजर आ रही हैं। कौशिक और आयुष्मान भी काले रंग के कपड़े पहने नजर आ रहे हैं। इससे पहले दीपावली पर सारा ने भाई इब्राहिम अली खान के साथ तस्वीरें शेयर कर भाई-बहन के बीच के खूबसूरत रिश्ते को दिखाया था। सारा अपने भाई के साथ 'कभी खुशी कभी गम' पल को एंजॉय करती नजर आई थीं। सारा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इब्राहिम के साथ अपनी तस्वीरें पोस्ट की और कैप्शन में लिखा, कभी खुशी कभी गम मेरे भाई जान के साथ, यह हमेशा मजेदार होता है। कभी हंसी और कभी-कभी वह डांटता है और अप्पा जान वही करेंगी जो उन्हें कहा जाएगा।

फिल्म 'आई वांट टू टॉक' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी। बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन की आने वाली फिल्म 'आई वांट टू टॉक' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म 'आई वांट टू टॉक' का निर्देशन शूजित सरकार ने किया है। 'आई वांट टू टॉक' का ट्रेलर का ट्रेलर एक बीमार बाप अर्जुन (अभिषेक बच्चन) और खुले विचार वाली बेटी मिनी के इर्द गिर्द घूमती है। अभिषेक एक स्पाइनल बीमारी से जूझ रहे हैं और उनके पास वक्त बहुत कम है। वहीं, वह अपनी बीमारी के बीच अपनी बेटी की देख-रेख करते हैं। अभिषेक बच्चन ने फिल्म 'आई वांट टू टॉक' का ट्रेलर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया है। ट्रेलर साझा करते हुए अभिषेक ने लिखा, 'जो सामान्य जीवन की तलाश में असाधारण चुनौतियों का सामना करता है'। इसके आगे अभिषेक ने लिखा, आई वांट टू टॉक 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'आई वांट टू टॉक' का स्क्रीनप्ले और डायलॉग रितेश शाह ने लिखे हैं। रोनी लाहिरी और शील कुमार इस फिल्म के निर्माता हैं। 'आई वांट टू टॉक' 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पूजा

पटना में मंगलवार को छठ पूजा उत्सव के अवसर पर 'नहाए खाए पूजा' के दौरान गंगा नदी में पवित्र स्नान करने के बाद भक्त अनुष्ठान करते हुए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | बुधवार | 06-11-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

नवग्रहों का शुभ या अशुभ प्रभाव व्यक्ति पर समान रूप से हर अवस्था में पड़ता है और ग्रह की चालों के अनुसार उसे विवश होकर चलना पड़ता है। कोई भी इस प्रभाव से बच नहीं सकता। हमारे अच्छे भाग्य के निर्माण का तात्पर्य है, अच्छी जिंदगी की सजावट्। जीवन में सुख दुःख के कारक नवग्रह है। ग्रहों की पीडा एवं उनके अशुभ प्रभाव से मुक्ति पाने के लिए जैन धर्म का नमस्कार महामंत्र का जप काफी लाभदायक और कल्याणकारी है।

मंगल वीरता, शौर्य और साहस का प्रतीक है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्रऋषिजी ने आठ वार पर प्रवचन देते हुए कहा कि सप्ताह का अर्थ है सात दिन। वार का संदर्भ प्रहर से है। प्रत्येक वार का अपना महत्व है और उसके साथ जुड़े हुए नाम का भी महत्व है। अनुभव से ऐसी धारणाएं आती है। वह महापुरुषों के अनुभव से आती है। मंगलवार की चर्चा करें तो इसमें मंगल है। कॉस्मो के अनुसार मंगल ग्रह माना जाता है। पृथ्वी की परिधि में इसका अस्तित्व माना जाता है। मंगल ग्रह की सबसे बड़ी खासियत है कि यह वीरता, शौर्य और साहस का द्योतक है। वह जुझारू होता है। मंगलमयी प्रेरणा देने वाला है। हिम्मत देने वाला है। मंगल की अशुभ स्थिति से व्यक्ति का गुस्सा, अहंकार बढ़ जाता है।

उन्होंने कहा सिद्ध भगवंतों का रंग लाल है और लाल रंग मंगल से जुड़ा है। उसका संदेश है कि आज हमारे भीतर साहस है। लेकिन सबका अलग-अलग साहस होता है। हमारा साहस डिस्ट्रक्टिव या कंस्ट्रक्टिव दोनों प्रकार का हो सकता है। कंस्ट्रक्टिव के सुपरिणाम हम जानते हैं। जिसने भी हिम्मत की, उसे सफलता मिलती है। डिस्ट्रक्टिव के कारण वह पूरा वातावरण आतंकित बनाए रखता है।

उन्होंने कहा जो रचनात्मक शक्ति होती है, उसमें प्रकृति भी सहयोग करती है। जिसके अंदर साहस कमजोर होता है, उसका मंगल कमजोर होता है। अगर हिम्मत होगी तो सृष्टि की हर शक्ति आपके साथ रहेगी। हमारी हिम्मत होनी चाहिए। फ्रस्ट्रेशन, अवसाद जिसको आता है, उन्होंने गलत साहस किया है। साहस के साथ समझ और विवेक बहुत महत्वपूर्ण है। हमारा साहस, शक्ति का उपयोग कमजोर है तो वह जीवन को अधिक दुःखी बना देता है, अधिक कर्मबंध करा देता है। आज का समय बच्चों को भी समझाने का है, डांटने, पीटने का नहीं। साहस ही सफलता का सबसे बड़ा सूत्र है। यदि अच्छा करते हुए सफल नहीं है तो समझना आपका साहस कम है।

उन्होंने कहा यह मंगल का जीवन में जो स्थान है, वह आपको और आगे बढ़ाएगा। वह प्रसिद्धि तक ले जाएगा। मंगल को संस्कृत में अंगारक कहा गया है। अंगारक सुनकर लोग पहले ही डर जाते हैं। उन्होंने कहा चुनौतियां ही व्यक्ति को मजबूत बनाती है। यह मंगल मन को उच्च बनाने वाला है। सकारात्मक शक्ति का संचार करने वाला है। बढ़ो, आगे बढ़ो। किसी नकारात्मक चीज से रुक जाएंगे तो आगे बढ़ नहीं पाएंगे। आयंबिल तप भी मंगलवार के लिए सहायक होता है। यह हमारे समग्र जीवन में क्रांति ला सकता है। साहस के साथ धर्ममय जीवन में आगे बढ़ें। यह मंगलवार हमारे लिए लाभदायी सिद्ध होगा। मुनिश्री हितेंद्र ऋषिजी ने बताया कि बुधवार को ज्ञान पंचमी की आराधना होगी। 7 नवंबर को गुरु गणेश जयंती मनाई जाएगी। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

साधक हमेशा वर्तमान में जीएं : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक हनुमंतनगर के तत्त्वावधान चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि जीवन में संघर्ष उत्कर्ष का द्वार खोलता है। इंसान को भी अपने जिन्दगी में आने वाले इम्तिहानों से, घबराना नहीं चाहिए। अंजना सती चारित्र का वाचन करते कुछ कहा कि पुण्यवान आलश राज संकटों पर विजय प्राप्त कर लेती है।

सुख हमारा इंतजार कर रहा है, बस एक बार दुःखी रूपी दरवाजे को पार करना है। दुःख के क्षण यह परिवर्तन के क्षण है। दुःख और संघर्ष से ही ऊर्जाबल निर्मित व संग्रहित है। सुख की अपेक्षा दुःख ज्यादा पॉजिटिव होता है। उन्होने आगे कहा कि प्रभु महातीर का सभी भव्य जीवों को यही एकमात्र सुभ संदेश है कि जब तक यह शरीर आपके अधीन है, अर्थात जब तक आप स्वस्थ, निरोग है उस समय अपने जीवन में गुण की आराधना करो। संसार में बिना दोष वाला कोई नहीं है। सोने में भी सुगन्ध नहीं है, कस्तूरी होती है लेकिन उसका वर्ण काला होता है। पूर्ण दोष रहित है तो एक मात्र हमारे वीतराग अरिहंत परमात्मा।

सोने में यद्यपि सुगंध होती तो फिर इंसान के लिए उसकी गुप्त रूप से रक्षा करना असंभव हो जाता। जीवन में क्रोध ईर्ष्या का त्याग करें। साधक वर्तमान में जीएं।

प्रारंभ में साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने कहा कि साधक वर्तमान में जीएं। चिन्ता नहीं व्यक्ति को चिंतन का सहारा लेना चाहिए। चिन्ता होती है जब व्यक्ति भविष्य की सोच में डूब जाता हैं और भूतकाल में हुई असफलता के बातों पर गहरा पश्चात्ताप करने लगता है। और भविष्य की. कल्पना में हर समय खोया रहता है।

लेकिन जो वर्तमान में जीता है उसे आता है चिन्तन। सुखी रूपी संतोषगुण से युक्त आनंद, खुशियों का खजाना उसी को प्राप्त होता है जो इंसान वर्तमान में जीता है। अतः सुखी जीवन का राज यही है कि व्यक्ति भूत - भविष्य की कल्पनाओं से अपने मन को व्यथित, अशांत दुःखी ना करते हुए वर्तमान का भरपूर, आनंद उठाएं। संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने संचालन करते बताया कि विदाई-सम्मान समारोह 10 नवंबर को रखा जाएगा।

'एक शाम तुलसी के नाम' धम्म जागरण सम्पन्न

चेन्नई/बेंगलूरु/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। स्थानीय जैन श्वेतांबर तेरापंथ माधावरम ट्रस्ट के तत्वावधान में साध्वी डॉ गवेषणाश्रीजी के सान्निध्य में आचार्यश्री तुलसी के 111वें जन्म शताब्दी के अवसर पर एक शाम तुलसी के नाम धम्म जागरण आयोजित हुआ। इस धम्म जागरण कार्यक्रम में बालोतरा से समागत हास्य कवि प्रकाश श्रीश्रीमाल, नीरज गोगड़ एवं संयोजक नवीन बोहरा उपस्थित थे, जिन्होंने राजस्थानी व हिन्दी भाषा में श्री तुलसी के अभ्यर्थना के साथ-साथ भजन प्रस्तुत किए। इस धम्म जागरण कार्यक्रम के प्रायोजक तेजमल राजेश संचेती परिवार वाले थे। कार्यक्रम के अंत में गायकों का एवं प्रायोजक का सम्मान ट्रस्ट अध्यक्ष घीसूलाल बोहरा एवं प्रकाशचंद मुथा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रवीण सुराणा ने दिया।

दिगंबर समाज विल्सन गार्डन का दीपावली स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

स्नेह मिलन में आयोजित हुआ क्रिकेट टूर्नामेन्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के दिगंबर जैन समाज विल्सन गार्डन द्वारा आयोजित दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन गेस्ट लाइन होटल में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर समाज के लोगों ने विभिन्न प्रकार के खेल, मनोरंजक कार्यक्रम और स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाया। समारोह का मुख्य आकर्षण दिगंबर जैन प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट था, जिसमें आदेश्वर ग्रेनाइट द्वारा प्रायोजित टीम आदेश्वर बुल ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए चैम्पियन का खिताब जीता। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने समाज की एकता और सामाजिक समर्थन की आवश्यकता पर बल दिया।

समारोह में बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया। दिगंबर जैन समाज विल्सन गार्डन के अध्यक्ष अशोक सेठी ने समारोह की सफलता के लिए आयोजन समिति और समाज के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आदेश्वर बुल टीम को चैम्पियनशिप ट्रॉफी और पुरस्कार प्रदान किए गए। समारोह का समापन महेश काला द्वारा प्रायोजित लकी ड्रा पुरस्कारों का वितरण किया गया।

सामूहिक विवाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बाबूलाल गुप्ता फाउंडेशन ने लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट-317 के साथ मिलकर रविवार को एक सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया। यह इन दोनों संगठनों की 8वीं साझेदारी है। इस आयोजन में आठ जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। जिसमें उनके मिलन का उत्सव मनाया गया और सोसाइटी के जरूरतमंदों को समर्थन और प्रोत्साहन देने का उद्देश्य रखा गया।

बंधन नहीं, सुरक्षा कवच है नियमः आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित सिमंधर शांतिसूरी जैन संघ में श्रावक के 12 व्रत विषय पर जारी प्रवचन श्रृंखला में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जीवन में आने वाले दुःखों का कारण पाप कर्म है। यदि कोई सर्वथा दुःख रहित जीवन चाहता है तो उसे पाप रहित जीवन जीना चाहिए और ऐसा जीवन है साधु जीवन, जो स्वयं तीर्थकरों ने जीया है और अन्यों को बताया है। लेकिन हर किसी के लिए यह जीवन अपनाना संभव न हो तो वैसे लोगों को साधु जीवन का आदर्श रखकर श्रावक जीवन जीने का उपदेश दिया है जिसमें आंशिक रूप से व्रत-नियम लेकर पापों का त्याग किया जाता है। श्रावक जीवन याने एक प्रकार का मर्यादायुक्त जीवन। जीवन में बडे-बडे पापों के त्याग का संकल्प आत्मा को सुरक्षित बनाता है। खेत की सुरक्षा बाड से और पानी की सुरक्ष बांध से की जाती है। उसी प्रकार पाप नहीं करने की प्रतिज्ञा आत्मा के लिए एक सुरक्षा कवच का काम करती है। लेकिन विडंबना यह है कि कई लोग उसे बंधन मानकर व्रत-नियम लेने से कतराते है। आचार्यश्री ने कहा कि वर्तमान की शिक्षण पद्धति और उपभोक्तावादी संस्कृति ने आग में घी डालने का काम किया है। आधुनिक शिक्षण में कहीं पर मूल्यों, संस्कार- सदाचार, गुणों को महत्व नहीं दिया जाता। नतीजन पढ़ लिखकर व्यक्ति शिक्षित भले कहलाता हो लेकिन स्वच्छंद बनकर वह अनेक दोषों का शिकार बनता है।

तुलसी अभिनव अंताक्षरी टैलेंट शो में प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ सभा परिषद् और महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में तुलसी अभिनव अंताक्षरी टैलेंट शो का आयोजन तेरापंथ भवन गांधीनगर में साध्वीश्री उदितयशा के सान्निध्य में संपन्न हुआ। इस रोचक अंताक्षरी प्रतियोगिता में नौ टीमों ने भाग लिया, जिनके लिए सामान्य राउंड, शब्द आधारित राउंड, धुन पहचान राउंड, थीम आधारित राउंड और चित्र पहचान कर गीत गाने का राउंड शामिल थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में साध्वीश्री संगीतप्रभाजी,भव्ययशाजीऔर शिक्षाप्रभाजी का विशेष योगदान रहा। प्रतियोगिता में कल्याण परिषद् टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, सुमंगल साधना ने दूसरा स्थान और साहित्य समीक्षा परिषद् ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा सम्मानित किया गया।

तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल ने आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम का संचालन साध्वीश्री संगीतप्रभाजी ने किया। इस अवसर पर सभाध्यक्ष पारसमल भंसाली, पूर्व अध्यक्ष बहादुर सेठिया, सभा मंत्री विनोद छाजेड़, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, तेयुप मंत्री राकेश चौरड़िया, सहमंत्री प्रतीक जोगड़, महिला मंडल अध्यक्षा रिजू डुंगरवाल, मंत्री ज्योति संचेती आदि उपस्थित थे।

इस आयोजन में तेयुप संयोजक अमित भंडारी, महिला मंडल संयोजिका स्वाति भंडारी, प्राची चोरड़िया, विनीत घोषल, मस्ती चोरड़िया एवं अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

भारतीय रेलवे ने यूएसआईसी विश्व रेलवे वॉलीबॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। भारतीय रेलवे वॉलीबॉल टीम 21 से 26 अक्टूबर तक जर्मनी के ब्रेरिन में आयोजित 18वीं यूएसआईसी (विश्व रेलवे) वॉलीबॉल चैंपियनशिप की चैंपियन बनकर उभरी है। रोमांचक फाइनल में, भारतीय टीम ने मेजबान देश जर्मनी को सीधे सेटों (3-0) में हराकर अपना दबदबा दिखाया और प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक हासिल किया। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के टीम कप्तान अश्वल राय के नेतृत्व में, भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में उल्लेखनीय कौशल, लचीलापन और टीम वर्क का प्रदर्शन किया। दपरे के सुधीर शेट्टी ने भी भारत की शीर्ष यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, दोनों खिलाड़ियों ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए टीम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। यह जीत न केवल भारतीय रेलवे के लिए गौरव की बात है, बल्कि अश्वल राय और सुधीर शेट्टी जैसे खिलाड़ियों की क्षमता पर भी प्रकाश डालती है, जिन्होंने दक्षिण पश्चिम रेलवे और देश को सम्मान दिलाया है। हुब्बल्ली में दोनों खिलाड़ियों का दपरे के महाप्रबंधक ने स्वागत किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.